मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 128
बुधवार, 19 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

भारत-जर्मनी रक्षा साझेदारी को नई उड़ान, रक्षा तकनीक को मजबूत करने पर दिया जोर

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। नई दिल्ली में मंगलवार को भारत-जर्मनी हाई डिफेंस कमेटी की अहम बैठक के साथ-साथ भारतीय सेना के कॉर्प्स ऑफ इंजीनियर्स ने अपना 245वां कॉर्प्स डे मनाया। एक ओर जहां भारत और जर्मनी ने रक्षा साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में बड़े फैसले लिए, वहीं दूसरी ओर इंजीनियर्स कॉर्प्स ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को नमन कर सेना की तकनीकी और युद्धक क्षमता को नई ऊंचाई देने का संकल्प दोहराया। दोनों घटनाओं ने भारत की सुरक्षा नीति और सैन्य मजबूती के बढ़ते दायरे को रेखांकित किया।

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और जर्मन रक्षा मंत्रालय के स्टेट सेक्रेटरी जेंस प्लॉटनर ने बैठक में रक्षा उपकरणों के सह-विकास और सह-उत्पादन को प्राथमिकता दी। दोनों देशों ने सैन्य से सैन्य सहयोग बढ़ाने और इसे रणनीतिक साझेदारी का मजबूत स्तंभ बनाने पर सहमति जताई। इसी दौरान दिल्ली में इंजीनियर्स कॉर्प्स ने शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा में अपने योगदान की याद ताजा की। दिन में बाद में मानेकशॉ सेंटर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले इंजीनियर अधिकारियों और यूनिट्स को सम्मानित किया गया।

बैठक में दोनों देशों ने क्षेत्रीय सुरक्षा पर व्यापक चर्चा की और भविष्य में सैन्य अभ्यासों तथा सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। जर्मनी ने घोषणा की कि वह 2026 में होने वाले तरंग शक्ति (बहुराष्ट्रीय वायु युद्धाभ्यास) और मिलन (बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास) में हिस्सा लेगा।

यह सहयोग भारत-जर्मनी रक्षा संबंधों को और मजबूत करेगा तथा उच्च तकनीक आधारित सैन्य प्रणाली विकसित करने में मदद करेगा। दोनों पक्षों ने रक्षा उद्योगों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत पर बल दिया, खासकर विशेष तकनीकी क्षेत्रों में। यह साझेदारी भारत की स्वदेशी क्षमता को मजबूत करने के साथ-साथ यूरोपीय रक्षा ज्ञान और अनुभव से भी जोड़ने वाली होगी। बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि आधुनिक युद्धक जरूरतों को देखते हुए उन्नत तकनीक और संयुक्त उत्पादन ही भविष्य का रास्ता है।

इंजीनियर्स कॉर्प्स ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इंजीनियर-इन-चीफ ने सेना के वर्तमान और पूर्व सैनिकों के साथ मिलकर उन जांबाजों को नमन किया, जिनके बलिदान ने देश की सीमाओं को सुरक्षित रखा। इसके बाद पुरस्कार वितरण समारोह में तकनीकी उत्कृष्टता, प्रोफेशनल उपलब्धि, एडवेंचर और स्पोर्ट्स में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली यूनिट्स को सम्मानित किया गया। यह आयोजन कॉर्प्स की उच्च मानकों और प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

संघ की स्थापना किसी को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं की गईः मोहन भागवत

गुवाहाटी, 18 नवम्बर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जो कोई भी भारत पर गर्व करता है वह हिंदू है। मंगलवार को यहां प्रतिष्ठित लोगों के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने यह भी दावा किया कि हिंदू केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि एक सभ्यतागत पहचान है जो हजारों वर्षों की सांस्कृतिक निरंतरता में निहित है।

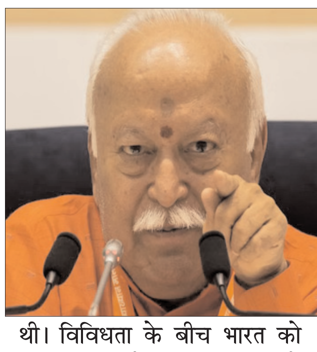

संघ प्रमुख ने कहा कि भारत और हिंदू का अर्थ समान है। इसकी आधिकारिक घोषणा करने की कोई जरूरत नहीं है कि भारत हिंदू राष्ट्र है। इसकी सभ्यतागत प्रकृति पहले से ही इसको प्रदर्शित करती है। उन्होंने कहा कि आरएसएस की स्थापना किसी का विरोध करने या उसे नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने और भारत को वैश्विक नेता बनाने में योगदान देने के लिए की गई थी। विविधता के बीच भारत को एकजुट करने की पद्धति को आरएसएस कहा जाता है।

असम में जनसांख्यिकीय बदलावों के बारे में चिंताओं को लेकर संघ प्रमुख ने कहा कि आत्मविश्वास, सतर्कता और अपनी भूमि व पहचान के प्रति दृढ़ लगाव के जरिये इसे निपटा जा सकता है। उन्होंने अवैध घुसपैठ, हिंदुओं के लिए तीन बच्चों के मानदंड सहित एक संतुलित जनसंख्या नीति की आवश्यकता और विभाजनकारी धर्मांतरण का विरोध करने के महत्व जैसे मुद्दों पर बात की। लोगों, खासतौर पर युवाओं को सोशल मीडिया को उपयोग जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए।

संघ प्रमुख ने पूर्वोत्तर को भारत की विविधता में एकता का एक शानदार उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि लचित बोरफुकन और श्रीमंत शंकरदेव जैसी हस्तियां न केवल क्षेत्रीय महत्व रखती हैं, बल्कि राष्ट्रीय प्रासंगिकता भी रखती हैं और सभी भारतीयों को प्रेरित करती हैं। समाज के सभी वर्गों से राष्ट्र निर्माण के लिए सामूहिक और निस्वार्थ भाव से काम करने का आग्रह किया। असम की तीन दिवसीय यात्रा पर सोमवार को यहां पहुंचे भागवत बुधवार को युवाओं के सम्मेलन को संबोधित करेंगे और 20 नवंबर को मणिपुर के लिए रवाना होंगे।

पुल पर दो बसें आमने सामने टकराई, एक नेपाली महिला की मौत, 35 घायल, 23 की हालत गंभीर

धौरहरा/ खमरिया, 18 नवम्बर। यूपी के लखीमपुर खीरी स्थित ईसानगर थाना क्षेत्र के रंजीत नगर पुल पर शिमला जा रही मिनी बस की सामने से आ रही दूसरी बस से जोरदार टक्कर हो गई, जिससे दोनों बसों में सवार करीब 35 यात्री घायल हो गए। जबकि एक नेपाली नागरिक महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची ईसानगर और खमरिया पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से घायलों को सीएचसी खमरिया और धौरहरा भेजा।

ईसानगर थाना क्षेत्र के रंजीत नगर पुल पर रूपैडिया बहराइच और श्रावस्ती से सवारियां लेकर मिनी बस शिमला जा रही थी, जो लखनऊ से धौरहरा वापस आ रही एक प्राइवेट बस जो धौरहरा आ रही थी आमने सामने टकरा गई। दोनों बसों में सवार करीब 35 यात्री घायल हो गए।

सूचना पर पुलिस बल के साथ पहुंचे थानाध्यक्ष ईसानगर निर्मल तिवारी और खमरिया कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ओपी राय, प्रभारी निरीक्षक धौरहरा शिवाजी दुबे,सीओ धौरहरा शमशेर बहादुर सिंह ने एम्बुलेंस की मदद से घायल जलवर्षा (55) जय वर्षा (50) आरती(25) रामावती (55) और उमाकांत (30) तीन अज्ञात घायलों को धौरहरा सीएचसी भेजा। जहां डाक्टर ने सभी की गंभीर घायल देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं खमरिया सीएचसी लाए गए 30 घायलों में प्रशांत जंगी (16), आशा (30), सुदीपन (35), चंपा (40), संगीता (42), धन माया (40), राजबहादुर कुशरी (35), दीपा (13) निवासी गण नेपाल राष्ट्र सहित 15 नेपाली नागरिक हैं। एक नेपाली महिला की सीएचसी खमरिया में मौत हो गई। जबकि गंभीर 15 घायलों को लखीमपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

एक नेपाली अज्ञात महिला की मौत हो गई है जबकि 17 घायलों का इलाज चल रहा है। शेष मामूली घायल थे जो आसपास के सीएचसी में इलाज कराने के बाद चले गए है।

अमेरिका से भारत लाया जा रहा बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का आरोपी, आईजीआई एयरपोर्ट पर विशेष टीमें तैनात

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में मुख्य साजिशकर्ता माने जा रहे गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से डिपोर्ट किए जाने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। वह बुधवार सुबह करीब 10 बजे दिल्ली पहुंच जाएगा। सुरक्षा एजेंसियां उसकी प्रत्यर्पण यात्रा पर नजर बनाए हुए हैं और इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर कई विशेष टीमों की तैनाती कर दी गई है।

अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से औपचारिक रूप से डिपोर्ट किया जा चुका है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि उसकी रवानगी और दिल्ली पहुंचने की प्रक्रिया तय हो चुकी है। अनमोल, कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई है और कई राज्यों में उसके खिलाफ गंभीर अपराध दर्ज हैं। फिलहाल चर्चा इस बात पर चल रही है कि कोर्ट में पेशी के बाद उसे किस एजेंसी की हिरासत में दिया जाएगा।

मृतक नेता बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को भी अमेरिकी अधिकारियों की ओर से ईमेल मिला है। ईमेल में उन्हें बताया गया कि अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से डिपोर्ट कर दिया गया है। जीशान ने कहा कि वह यह नहीं जानते कि इसे किस अर्थ में लिया जाए, लेकिन यह स्पष्ट है कि अनमोल को अब भारत भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि उनका ईमेल पीड़ित परिवार होने के नाते अमेरिकी अधिकारियों के पास पंजीकृत है, ताकि उन्हें हर अपडेट दिया जा सके।

नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (ठउढ) के नेता बाबा सिद्दीकी की 12 अक्तूबर 2024 को मुंबई के बांद्रा स्थित कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मुंबई पुलिस इस मामले में अब तक 26 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। चार्जशीट में अनमोल को मुख्य साजिशकर्ता बताया गया है और उसे वांछित आरोपियों की सूची में रखा गया है। पुलिस के अनुसार कई गिरफ्तार आरोपियों के फोन से मिले वॉइस क्लिप्स की जांच करने पर उनकी आवाज अनमोल की रिकॉर्डिंग से मेल खाती पाई गई थी।

जांच में यह सामने आया था कि अनमोल ने विदेश में रहते हुए हत्या की योजना को दिशा दी। बरामद ऑडियो क्लिप्स में वह कथित तौर पर अपने सहयोगियों को हत्या करने के निर्देश देता सुना गया है। जांच एजेंसियों का मानना है कि उसने विदेश से ही घटनाक्रम को नियंत्रित किया और पूरी साजिश को अंजाम दिलाया। इन प्रमाणों को पुलिस ने चार्जशीट में शामिल किया है।

एनसीपी नेता और बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई के प्रत्यर्पण की खबरों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि एक साल से अधिक समय बीतने के बाद भी उन्हें लगता है कि अब तक पूरा न्याय नहीं मिला है। जीशान ने कहा कि आरोपी जेल में हैं, लेकिन असली सवाल यह है कि हत्या के पीछे किसने आदेश दिया। उनका कहना है कि उनके पिता का बिश्नोई से कोई लेना-देना नहीं था, इसलिए यह जानना जरूरी है कि हत्या की साजिश किसने रची। उन्होंने कहा कि अगर संयुक्त राज्य अमेरिका ने अनमोल बिश्नोई को वहां से हटा दिया है, तो उसे तुरंत मुंबई लाकर पूछताछ की जानी चाहिए।

केंद्र मुहैया कराए बुनियादी न्यायिक ढांचा, हम सुनिश्चित करेंगे दिन-रात हो सुनवाईः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह जरूरी न्यायिक बुनियादी ढांचा मुहैया कराए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम सुनिश्चिक करेंगे कि अदालतें रात-दिन काम करें, जिससे देश के खिलाफ अपराध करने वाले और जघन्य अपराधों में शामिल आरोपियों के मुकदमों की सुनवाई 6 महीनों में पूरी हो।

जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्जवल भुइयां और जस्टिस एन. कोटिश्वर की पीठ ने दुर्दांत अपराधियों के मामलों की जल्द सुनवाई की वकालत करते हुए कहा कि अगर मुकदमा 6 महीनों में पूरा हो जाएगा तो आरोपी के पास जमानत के लिए लंबी सुनवाई का आधार नहीं रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय

पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी से कहा, आप बस आवश्यक बुनियादी ढांचा मुहैया कराएं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि अदालतें छह महीने में मुकदमा पूरा करने के लिए दिन-रात काम करें।

एएसजी ने दलील दी कि केंद्रीय गृह सचिव इस मामले से अवगत हैं. एएसजी ने कहा कि विशेष एनआईए अदालतों और विशेष कानूनों के लिए समर्पित अन्य कोर्ट की स्थापना के मुद्दे पर विभिन्न राज्य सरकारों के साथ बैठक हो चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आजकल मुकदमेबाजी की लागत बहुत ज्यादा है और अगर मुकदमा छह महीने में पूरा हो जाए तो यह सभी पक्षों के लिए फायदेमंद होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एनआईए को गवाहों की गवाही के लिए अदालतों की ऑनलाइन सुविधा का लाभ उठाना चाहिए, जिससे वे दूर-दराज की जगहों से भी स्वतंत्र रूप से गवाही दे सकें।

पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा, आपको गवाह सुरक्षा योजना के तहत उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी और उन्हें श्रीनगर या अन्य दूर-दराज के स्थानों से दिल्ली आने की जरूरत नहीं है।₹ एनआईए के मामलों में बड़ी संख्या में गवाहों के शामिल होने के मुद्दे पर पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष को बड़ी सूची को छोटा करना चाहिए और सबसे विश्वसनीय गवाहों पर भरोसा करना चाहिए।

भाटी ने आश्वासन दिया कि गृह मंत्रालय पहले से ही इन मुद्दों पर विचार-विमर्श कर रहा है, और जल्द ही अदालत के समक्ष एक रोडमैप प्रस्तुत किया जाएगा। इससे पहले माओवादी समर्थक कैलाश रामचंदानी और यूएपीए के तहत एक कुख्यात अपराधी महेश खत्री से जुड़े एनआईए मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने विशेष कानूनों के तहत मामलों के लिए अदालतें न बनाने के लिए केंद्र और महाराष्ट्र सरकार की खिंचाई की थी।

जेल में बंद आतंकी पर हमला, अस्पताल में भर्ती

अहमदाबाद। अहमदाबाद की साबरमती नई जेल से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां आतंकवादी डॉ. अहमद सैयद पर बैरक के अंदर अचानक हमला किया गया। हमले में उसकी आंख सहित चेहरे और शरीर के कई हिस्सों पर चोटें आई हैं। रिमांड समाप्त होने के बाद सैयद को जेल लाया गया था, जहां तीन अज्ञात कैदियों ने उस पर अचानक हमला कर दिया। हमले के कारणों को लेकर अहमद ने अभी तक कोई जानकारी नहीं दी है, जिससे मामले का सस्पेंस और गहरा गया है।

घटना की सूचना मिलते ही गुजरात एटीएस तुरंत जेल पहुंची और घायल अहमद को इलाज के लिए अहमदाबाद सिविल अस्पताल ले जाया गया।

अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस– 9 नवम्बर, 2025

उपेक्षित संवेदनाओं और अनदेखें संघर्षों का सच

-ललित गर्ग

महिला दिवस की तर्ज पर ही पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस भी मनाया जाने लगा है। पहला अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस 1999 में 19 नवंबर को डॉ. जेरोम टीलकसिंह ने त्रिनिदाद और टोबैगो में मनाया था। दुनिया के 30 से अधिक देशों में यह दिवस मनाया जा रहा है। यह केवल पुरुषों का उत्सव नहीं, बल्कि बदलते सामाजिक परिदृश्य में उनकी स्थिति, संघर्षों और मनोभावों को समझने का मौका है। जैसे स्त्रियाँ वर्षों से असमानता, उपेक्षा और अन्याय के बोझ से जूझती रही हैं, वैसे ही आज पुरुष भी कई स्तरों पर अपने शोषण एवं उत्पीडित होने की बात उठा रहे हैं। महिलाओं की ही भांति अब पुरुषों पर भी उपेक्षा, उत्पीड़न एवं अन्याय की घटनाएं पनपने की बात की जा रही है। वे भी दबाव, अवसाद और सामाजिक पूर्वाग्रहों का सामना कर रहे हैं। दुर्भाग्य यह है कि पुरुषों की पीड़ा, उनके संघर्ष और उनकी संवेदनाएँ उतनी चर्चा का विषय नहीं बनते, जितना कि वे बनना चाहिए। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि समाज केवल स्त्रियों से ही नहीं, पुरुषों से भी बनता है और किसी एक की उपेक्षा पूरे संतुलन को बिगाड़ देती है। 2025 के लिए इस दिवस की थीम पुरुषों और लड़कों का उत्सव है।

आज का पुरुष बदलते समय के साथ एक दोहरी चुनौती से जूझ रहा है-एक ओर उससे पारंपरिक भूमिकाओं को निभाने की अपेक्षा की जाती है,

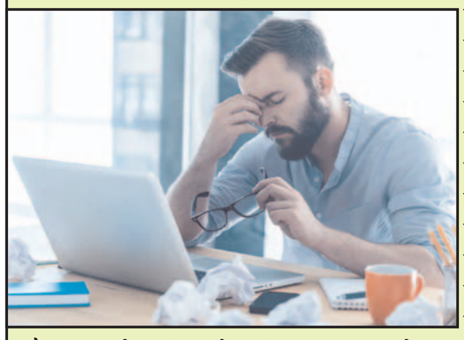

दूसरी ओर नये सामाजिक ढाँचों में भावनात्मक रूप से अधिक संवेदनशील, सहयोगी और सहचर होने का दबाव है। संघर्ष यह है कि इस परिवर्तन में उसकी पीड़ा, द्वंद्व और टूटन को गंभीरता से नहीं सुना जाता। उसे मजबूत, कठोर और समस्यारहित मान लेने का भ्रम उसकी वास्तविक जरूरतों को छिपा देता है। यही कारण है कि आधुनिक पुरुष स्वयं को कई बार दोयम दर्जे की स्थिति में पाता है-एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसे समाज जिम्मेदारी तो देता है, पर अधिकार और संवेदना नहीं। पुरुषों पर हो रहे अत्याचारों की अनदेखी भी चिंताजनक है। घरेलू हिंसा, झूठे मुकदमे, अभिभावकत्व के अधिकारों से वंचित होना, मानसिक प्रताड़ना, कार्यस्थलों पर उत्पीड़न-ये सब वास्तविक समस्याएँ हैं, जिन्हें अक्सर मजाक या अतिशयोक्ति कहकर टाल दिया जाता है। पुरुष के दर्द को ह्यमर्द को दर्द नहीं होता जैसी रूढ़ि निगल जाती है। जबकि सच यह है कि भारत में पुरुष भी आत्महत्या, अवसाद और मानसिक दबाव के शिकार बन रहे हैं। कई रिपोर्टों में यह तथ्य सामने आया है कि अवसाद और आत्महत्या के मामलों में पुरुषों की संख्या महिलाओं की तुलना में अधिक है, पर इस पर चर्चा समाज की प्राथमिकता नहीं बनती। यह उपेक्षा न केवल अमानवीय है, बल्कि समाज के संतुलन को खतरे में डालने वाली भी है।

कुछ वर्ष पूर्व भारत में सक्रिय अखिल भारतीय पुरुष एशोसिएशन ने भारत सरकार से एक खास मांग की कि महिला विकास मंत्रालय की भांति पुरुष विकास मंत्रालय का भी गठन किया जाये। इसी तरह यूपी में भारतीय जनता पार्टी के कुछ सांसदों ने यह मांग उठाई थी कि राष्ट्रीय महिला आयोग की तर्ज पर राष्ट्रीय पुरुष आयोग जैसी भी एक संवैधानिक संस्था बननी चाहिए। इन सांसदों ने इस बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा था। पत्र लिखने वाले एक सांसद हरिनारायण राजभर ने उस वक्त यह दावा किया था कि पत्नी प्रताड़ित कई पुरुष जेलों में बंद हैं, लेकिन कानून के एकतरफा रुख और समाज में हंसी के डर से वे खुद के ऊपर होने वाले घरेलू अत्याचारों के खिलाफ आवाज नहीं उठा रहे हैं। प्रश्न है कि आखिर पुरुष इस तरह की अपेक्षाएं क्यों महसूस कर रहे हैं? लगता है पुरुष अब अपने ऊपर आघातों एवं उपेक्षाओं से निजात चाहता है। तरह-तरह के कानूनों ने उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को धुंधलाया है। जबकि आज बदलते वक्त के साथ पुरुष अब अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील हो चुका है। कई युवा पुरुष समाज-निर्माण की बड़ी जिम्मेदारियों को उठा रहे हैं और अपनी काबिलीयत व जुनून से यह साबित भी कर रहे हैं।

समाज हमेशा पुरुष से अपेक्षा करता है कि वह परिवार की रीढ़ बने, आर्थिक व भावनात्मक उत्तरदायित्व निभाए, कठिनाई में ढाल की तरह खड़ा रहे। लेकिन जब वही पुरुष कमजोर पड़ता है, टूटता है, या न्याय चाहता है, तो वह उपेक्षित कर दिया जाता है। पुरुष को यह अधिकार मिलना ही चाहिए कि वह अपनी पीड़ा कह सके, अपने अधिकारों की रक्षा कर सके और गलत आरोपों से मुक्त हो सके। जैसे महिलाओं के लिए सुरक्षा और न्याय के तंत्र बनाए गए, वैसे ही पुरुषों के लिए भी कुछ संवेदनशील और न्यायपूर्ण व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है। यह समझना आवश्यक है कि पुरुष समाज के निर्माण का अभिन्न हिस्सा है-वह पिता है, पति है, पुत्र है, भाई है, मित्र है। उसकी उपस्थिति के बिना किसी भी परिवार या समाज की कल्पना अधूरी है। वह जिम्मेदारियों से भरा हुआ व्यक्ति है, लेकिन इसी वजह से वह सबसे अधिक दबाव और अपेक्षाओं का भार उठाता है। यह भी सच है कि पुरुष ही समाज के विकास, विज्ञान, कला, परिश्रम और संरचना के बड़े हिस्से का वाहक रहा है। लेकिन इस योगदान के बावजूद, आज पुरुषों की समस्याओं के प्रति संवेदना बढ़ाने की आवश्यकता है।

अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस का संदेश यही है कि महिलाओं के समान ही पुरुषों की भी गरिमा, सुरक्षा, सम्मान और संवेदनाओं की रक्षा की जानी चाहिए। लैंगिक समानता का अर्थ केवल महिलाओं को सशक्त बनाना नहीं, बल्कि पुरुषों पर बने अनुचित पूर्वाग्रहों को भी तोड़ना है। एक स्वस्थ, संतुलित समाज वही है जिसमें दोनों लिंगों की समस्याओं को समान रूप से सुना और समझा जाए। पुरुषों को कठोरता की बेड़ियों से मुक्त कर, उनके भावनात्मक अस्तित्व को स्वीकार करना समय की मांग है। पुरुष दिवस हमें जागरूक करता है कि सह-अस्तित्व, सहयोग, संवाद और करुणा ही पुरुष-स्त्री के संबंधों का वास्तविक आधार हैं। पुरुष और स्त्री एक-दूसरे के विरोधी नहीं, पूरक हैं। इसलिए उनकी समस्याओं, अधिकारों और जिम्मेदारियों को भी पूरक दृष्टि से ही देखा जाना चाहिए। जब समाज पुरुष की पीड़ा को भी उतनी ही गंभीरता से सुनेगा, जितनी वह स्त्री के आर्तनाद पर देता है, तभी हम सच्चे अर्थों में संतुलित और मानवीय समाज का निर्माण कर पाएँगे।

महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को रोकने के लिए कठोर कानून भी बने हैं, लेकिन पुरुष भी घरेलू हिंसा का शिकार होते हैं। भारत में अभी तक ऐसा कोई सरकारी अध्ययन या सर्वेक्षण नहीं हुआ है जिससे इस बात का पता लग सके कि घरेलू हिंसा में शिकार पुरुषों की तादाद कितनी है लेकिन कुछ गैर सरकारी संस्थान इस दिशा में जरूर काम कर रहे हैं। ह्यसेव इंडियन फैमिली फाउंडेशनह्न और ह्यमाई नेशनह्न नाम की गैर सरकारी संस्थाओं के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि भारत में नब्बे फीसद से ज्यादा पति तीन साल की रिलेशनशिप में कम से कम एक बार घरेलू हिंसा का सामना कर चुके होते हैं। वे भी अपने अस्तित्व की सुरक्षा एवं सम्मान के लिये आवाज उठाना चाहते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि यह पुरुष को उसके वास्तविक स्वरूप में देखने, समझने और सम्मान देने का अवसर देता है-एक ऐसे मानव के रूप में, जो जिम्मेदार भी है, संवेदनशील भी; जो मजबूत भी है, पर टूट भी सकता है; जो देता ही नहीं, पाने की भी अपेक्षा रखता है। पुरुष की इस नई समझ के बिना मानवीय समाज की कल्पना संभव नहीं है। यह ऐसा एक वैश्विक उत्सव है जो पुरुषों के सकारात्मक योगदान और उपलब्धियों का जश्न मनाता है, साथ ही पुरुषों के स्वास्थ्य, कल्याण और लैंगिक समानता को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह दिन पुरुषों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने वाली चचाओं और कार्यों को बढ़ावा देने, सकारात्मक रोल मॉडल को प्रोत्साहित करने और अधिक समावेशी समाज की वकालत करने का अवसर प्रदान करता है।

बीएमसी चुनाव अकेले लड़ेगी कांग्रेस

-अजय कुमार

मुंबई की राजनीति में वह क्षण एक बार फिर सामने है, जब चुनाव सिर्फ एक स्थानीय निकाय का नहीं, बल्कि पूरे राज्य की दिशा तय करने वाला माना जाता है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के दिसंबर-जनवरी में प्रस्तावित चुनावों को लेकर इस बार सबसे बड़ा राजनीतिक धमाका तब हुआ, जब कांग्रेस ने महा विकास आघाड़ी (एमवीए) में बने रहने के बावजूद अकेले चुनाव मैदान में उतरने का निर्णय ले लिया। यह फैसला जितना साहसिक दिखाई देता है, उतना ही यह संकेतों और संदेशों से भरा हुआ भी है। मुंबई जैसे आर्थिक और राजनीतिक रूप से अत्यंत प्रभावशाली शहर में जहां हर सीट का महत्व है, वहां कांग्रेस का यह कदम पूरी राजनीति की रफ़्तार बदल सकता है। मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ और संगठन के वरिष्ठ नेताओं ने यह मांग लंबे समय से उठाई थी कि पार्टी को बीएमसी जैसे विशाल मंच पर अपनी स्वयं की पहचान को सामने रखना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में गठबंधन राजनीति ने कांग्रेस के लिए उम्मीद से कम परिणाम दिए, विशेषकर स्थानीय निकायों में। वर्ष 2017 के बीएमसी चुनाव में कांग्रेस 31 सीटें लेकर तीसरे स्थान पर रही थी, जबकि भाजपा 82 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। लेकिन इस बार समीकरण बिल्कुल बदल चुके हैं और यही कारण है कि कांग्रेस ने यह दांव खेला है। पार्टी के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्निथला ने भी स्पष्ट कर दिया कि स्थानीय इकाई ने जबरदस्त उत्साह से यह मांग की, और नेतृत्व ने उनका मत स्वीकार किया।

कांग्रेस का यह फैसला यूं ही नहीं हुआ। बिहार विधानसभा चुनावों में जिस तरह गठबंधन का हिस्सा होकर कांग्रेस को उम्मीद से कम सीटें मिलीं, उससे पार्टी कार्यकताओं में यह विश्वास पैदा हुआ कि स्वतंत्र लड़ाई अधिक फायदेमंद साबित हो सकती है। कई विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस अगर बिहार में अकेले लड़ती, तो वह कम से कम छह सीटें जीत सकती थी और उसका वोट प्रतिशत 12 से 14 प्रतिशत तक जा सकता था। लेकिन गठबंधन की मजबूरी ने कांग्रेस को वह अवसर नहीं दिया। कार्यकर्ताओं और जमीनी नेताओं का उत्साह लगातार घट रहा था, और यही हताशा मुंबई में बड़े बदलाव का कारण बनी।मुंबई में कांग्रेस की स्थिति बिहार जितनी कमजोर नहीं है। यहां उसका परंपरागत वोट बैंक अभी भी काफी स्थिर है मुस्लिम वोटर लगभग 20झ्र22 प्रतिशत, दलित 10झ्र12 प्रतिशत और दक्षिण भारतीय समुदाय 8झ्र10 प्रतिशत। यह तीनों समूह लंबे समय से कांग्रेस के कोर सपोर्टर रहे हैं। 2017 के चुनावों में जिन इलाकों में मुस्लिम बहुलता थी, वहां कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन किया था। आज भी मुंबई के दक्षिण और मध्य इलाकों तथा बांद्रा, अंधेरी, वर्ली जैसे क्षेत्रों में कांग्रेस का संगठन मजबूत माना जाता है। यही नहीं, पार्टी ने हाल के वर्षों में 50,000 से अधिक नए सदस्य जोड़े हैं और 1000 से अधिक टिकट आवेदन प्राप्त हुए हैं। यह संगठनात्मक ऊर्जा कांग्रेस को अकेले मैदान में उतरने का आत्मविश्वास देती है।

लेकिन कांग्रेस की इस चाल के पीछे सिर्फ आत्मविश्वास ही नहीं, बल्कि राजनीतिक रणनीति भी है। पार्टी को सबसे अधिक असहजता एमएनएस से बढ़ती नजदीकियों को लेकर थी। जब उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के बीच हाल के महीनों में सहयोग के संकेत मिले मतदाता सूची में गड़बड़ियों के विरोध में हुई संयुक्त रैली इसका उदाहरण है तो कांग्रेस की चिंता गहराने लगी। राज ठाकरे की राजनीति पर कांग्रेस हमेशा सवाल उठाती रही है, खासकर मराठी मानूस और प्रवासी-विरोधी अभियानों के कारण। वर्षा गायकवाड़ ने खुलकर कहा कि कांग्रेस कभी भी एमएनएस के साथ हाथ नहीं मिला सकती। यदि यह गठबंधन और मजबूत होता, तो न सिर्फ कांग्रेस को कम सीटें मिलतीं बल्कि उसका सेक्युलर वोट बैंक भी बिखर सकता था। उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस के अकेले लड़ने के फैसले पर कहा कि हर दल को अपने निर्णय लेने की स्वतंत्रता है और शिवसेना (यूबीटी) भी उसी तरह स्वतंत्र है। यह बयान दिखाता है कि एमवीए में सतही शांति के बावजूद अंदरूनी तनाव मौजूद है। कांग्रेस का मानना है कि यदि शिवसेना और एमएनएस मिलकर एक मजबूत मराठी फ्रंट बनाते हैं, तो कांग्रेस को सिर्फ 50-60 सीटें मिल सकती थीं, जबकि वह कम से कम 100 से अधिक सीटों पर लड़ने का दावा रखती है। कांग्रेस को यह भी आशंका है कि ह्यमराठी बनाम अन्य की राजनीति में वह आउटसाइडर बन जाएगी, जिससे उसके कोर वोटर्स दूर हो सकते हैं।

कांग्रेस की रणनीति में यह पहलू बेहद महत्वपूर्ण है कि अकेले लड़ने से उसे मुस्लिम और दक्षिण भारतीय वोटों का और अधिक एकजुट समर्थन मिल सकता है। एमएनएस के साथ शिवसेना की नजदीकी बढ़ने से मुस्लिम वोटर असहज हो सकते थे, और कांग्रेस इसी भावना का लाभ उठाकर स्वयं को एकमात्र मजबूत सेक्युलर विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है। यह कांग्रेस के लिए सिर्फ वोटों की राजनीति नहीं, बल्कि अपनी वैचारिक स्थिति का भी बयान है।हालांकि इस फैसले से सबसे अधिक लाभ भाजपा को होने की आशंका है। भाजपा 2017 से अब तक बीएमसी में सबसे बड़ी ताकत रही है। यदि विपक्ष विभाजित होकर लड़ता है, तो भाजपा को बहुत फायदा मिल सकता है। लेकिन कांग्रेस का तर्क है कि ह्यकब तक हम अपनी कीमत पर दूसरों का फायदा कराते रहेंगे? पार्टी का मानना है कि एमवीए में उसकी भूमिका लगातार छोटी होती जा रही थी, और अब उसे अपनी ताकत और कमजोरी का आकलन खुद करना होगा।मुंबई कांग्रेस के दो लाख से अधिक सक्रिय कार्यकर्ता, वर्षों से सड़कों पर सक्रिय पार्षद और मजबूत बूथ संरचना कांग्रेस के फैसले को वजन देती है। यह सिर्फ चुनाव लड़ने का नहीं, बल्कि अपना खोया हुआ राजनीतिक आधार पुनः हासिल करने का मौका है। मुंबई जैसे शहर में जहां हर समुदाय की राजनीतिक समझ अलग होती है, कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वह इस विविधता के भीतर अपनी जगह दोबारा बनाए। लेकिन अगर उसका वोट बैंक एकजुट हो गया, तो अकेले लड़ने का यह दांव उसके लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है।

बहरहाल, यह फैसला कांग्रेस के लिए जोखिम और अवसर दोनों लेकर आया है। मुंबई की बीएमसी का बजट 40,000 करोड़ रुपये से अधिक है देश की किसी भी नगरपालिका से बड़ा। यहां की राजनीति सिर्फ वार्डों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि राज्य और राष्ट्रीय राजनीति तक असर डालती है। कांग्रेस ने इस चुनाव में अपने भविष्य को दांव पर लगा दिया है। अगर यह दांव सफल रहा, तो महाराष्ट्र की राजनीति में कांग्रेस की वापसी की कहानी लिखी जाएगी; लेकिन अगर यह असफल हुआ, तो पार्टी को गहरे संगठनात्मक पुनर्विचार की जरूरत पड़ेगी।मुंबई की राजनीति अब एक नए मोड़ पर है एक तरफ शिवसेना का अपना अस्तित्व बचाने का संघर्ष, दूसरी तरफ भाजपा की आक्रामक रणनीति, और अब कांग्रेस का अपने पैरों पर खड़े होने का ऐलान। यह चुनाव सिर्फ एक निकाय का नहीं, बल्कि मुंबई की पहचान, उसकी राजनीति, और महाराष्ट्र की सत्ता संतुलन का भी फैसला करेगा। कांग्रेस ने अपनी चाल चल दी है, अब जनता की बारी है कि वह तय करे कि क्या यह आत्मविश्वास मुंबई में नई राजनीति का द्वार खोलेगा या फिर विपक्ष को और ज्यादा विभाजित कर देगा।

बीजेपी यूपी-बंगाल में भी महिलाओं-युवाओं पर लगाएगी दांव

-संजय सक्सेना

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों ने न सिर्फ नीतीश कुमार को दसवीं बार मुख्यमंत्री का ताज पहनाया, बल्कि भारतीय जनता पार्टी को एक ऐसा फॉमूर्ला सौंप दिया जो अब उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे बड़े राज्यों में परखा जाएगा। एनडीए की 202 सीटों वाली ऐतिहासिक जीत के पीछे आधी आबादी का हाथ साफ दिख रहा है। महिलाओं ने 71.78 प्रतिशत मतदान कर पुरुषों के 62.98 प्रतिशत को पीछे छोड़ दिया, और यह आंकड़ा सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति का आईना है। भाजपा के वरिष्ठ नेता इसे 'वाई' यानी वीमेन-यूथ सेंट्रिक पॉलिटिक्स की जीत बता रहे हैं, जहां जातीय समीकरण टूटे और विकास की योजनाओं ने वोटों का ध्रुवीकरण किया। अब सवाल यह है कि क्या यह मॉडल यूपी की योगी सरकार और बंगाल की ममता बनर्जी की चुनौतियों को पार कर पाएगा? राजनीतिक जानकारों का मानना है कि हां, अगर बजट से लेकर बूथ मैनेजमेंट तक सही दांव चले गए।बिहार की धरती पर जो कुछ हुआ, वह कोई संयोग नहीं था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, कुल 67.13 प्रतिशत मतदान हुआ, जो 1951 के बाद का रिकॉर्ड है। लेकिन असली खेल तो महिलाओं ने खेला। नीतीश सरकार की 'महिला स्वरोजगार योजना' के तहत डेढ़ करोड़ महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये की किस्त पहुंची, और यह पैसा वोटिंग बूथों पर लंबी-लंबी कतारों के रूप में दिखा। एक तरफ लालू प्रसाद के पुराने मुस्लिम-यादव (एमवाई) समीकरण की बातें हवा में तैर रही थीं, वहीं आधी आबादी ने एनडीए को ऐसा साथ दिया कि महागठबंधन 35 सीटों पर सिमट गया। भाजपा अकेले 89 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी, और जनता दल यूनाइटेड को 85 मिलीं। विशेषज्ञों का कहना है कि महिलाओं ने न सिर्फ संख्या बल्कि गुणवत्ता में भी योगदान दिया। जहां पुरुष वोटरों में सत्ता-विरोधी लहर की चर्चा थी, वहां महिलाओं ने योजनाओं के ठोस असर को प्राथमिकता दी। उदाहरण के तौर पर, दरभंगा की अलीनगर सीट से भाजपा की 25 वर्षीय लोक गायिका मैथिली ठाकुर ने 11,730 वोटों से जीत हासिल की, जो युवा महिलाओं की नई ऊर्जा का प्रतीक बनीं। कुल 88 महिला उम्मीदवार मैदान में उतरे, जिनमें से 28 विजयी रहीं, और भाजपा ने 13 में से 10 को जीतकर रिकॉर्ड बनाया। यह जीत सिर्फ सीटों की नहीं, बल्कि एक नए वोट बैंक की स्थापना की है, जहां जाति से ऊपर उठकर विकास और सुरक्षा का मुद्दा हावी हो गया।अब नजरें उत्तर प्रदेश पर हैं, जहां योगी आदित्यनाथ सरकार साढ़े आठ साल के शासन में कानून-व्यवस्था का पर्याय बन चुकी है। बिहार की सफलता से प्रेरित होकर भाजपा यहां 'वाई' फॉमूर्ले को और मजबूत करने की तैयारी में है। फरवरी 2025 में पेश हुए 2025-26 के बजट को ही देख लीजिए 8,08,636 करोड़ रुपये का यह 'चुनावी बजट' महिलाओं और युवाओं पर केंद्रित था। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के लिए 225 करोड़ रुपये आवंटित हुए, जो बेरोजगार युवाओं को लोन और ट्रेनिंग का वादा करता है।इसी तरह, निराश्रित महिलाओं के लिए पेंशन योजना पर 2,980 करोड़ रुपये खर्च का प्रावधान किया गया, जिससे लाखों महिलाओं को मासिक सहायता मिलेगी। मेधावी छात्राओं को स्कूटी देने की योजना ने भी सुर्खियां बटोरीं, और लाड़ली बहना जैसी योजनाओं की तर्ज पर महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण का रोडमैप तैयार हो रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले पेश होने वाले बजट में रोजगार पर कोई बड़ा ऐलान हो सकता है।

योगी सरकार ने लोकसभा चुनाव के बाद पुलिस भर्ती परीक्षा का आयोजन कर 60 हजार से अधिक युवाओं को नौकरी का तोहफा दिया, जो बिना किसी भ्रष्टाचार के आरोप के हुआ। यह भरोसा अब विधानसभा चुनाव में कैशेबल हो सकता है।लेकिन यूपी की सियासत सिर्फ योजनाओं पर नहीं थमेगी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव अपनी 'पीडीए' यानी पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक पॉलिटिक्स को मजबूत करने में जुटे हैं, जो लोकसभा 2024 में कामयाब रही थी। उपचुनावों में यह कमजोर पड़ी, लेकिन अखिलेश इसे आजमाने को तैयार हैं। भाजपा की काट के तौर पर 'वाई' समीकरण ही काम आएगा।बिहार में जहां एमवाई फॉमूर्ला टूटा, वहां यूपी में यादव वोटों का बिखराव भाजपा के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। एनडीए के यादव उम्मीदवारों ने बिहार में महागठबंधन से ज्यादा सीटें जीतीं, और यूपी में भी ऐसा ट्रेंड दिख सकता है। ऊपर से कानून-व्यवस्था का मुद्दा। योगी सरकार ने महिला अपराधों पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई, जहां एनकाउंटर और सख्त कार्रवाई ने महिलाओं में सुरक्षा की भावना जगाई। पिछले दो सालों में ऐसे सैकड़ों केसों में त्वरित न्याय हुआ, जो चुनावी साल में 'बेटी बचाओ, अपराधी ठोको' का नारा बन सकता है। राजनीतिक जानकार बताते हैं कि अगर बजट में महिलाओं के लिए 10 हजार रुपये वाली स्वरोजगार योजना जैसा कुछ आया, तो सपा का पीडीए समीकरण धराशायी हो सकता है।

पश्चिम बंगाल की सियासत में तो यह फॉमूर्ला और भी रोमांचक साबित होगा। 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा ने बिहार मॉडल को ही आधार बनाया है। पार्टी का लक्ष्य 160 सीटें है, और हर बूथ पर नजर रखने के लिए 'चौकड़ी' तैयार की गई है केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, त्रिपुरा के पूर्व सीएम बिप्लब कुमार देव, सह प्रभारी सुनील बंसल और आईटी हेड अमित मालवीय।बिहार जीत के ठीक बाद बंगाल में लड्डू बांटे गए, और पीएम मोदी ने इसे 'ममता मैजिक तोड़ने' का संकेत दिया। यहां बड़ा मुद्दा महिला सुरक्षा बनेगा। आरजी कर घोटाला, दुर्गापुर में मेडिकल छात्रा के गैंगरेप जैसे मामले तृणमूल कांग्रेस की कमजोरी उजागर कर रहे हैं। भाजपा व्यक्तिगत हमलों से बचते हुए मुद्दों पर फोकस करेगी, जैसा कि अक्टूबर 2025 में रणनीति बदली गई थी। बंगाल भाजपा प्रमुख समिक भट्टाचार्य का दावा है कि 2026 में सत्ता उनके हाथ आएगी। युवाओं को साधने के लिए डिजिटल कैंपेन और बूथ मजबूती पर जोर होगा, जबकि महिलाओं के लिए बिहार जैसी योजनाओं का विस्तार। तीन साल से लगे तंबू अब फल ला रहे हैं, और बिहार का प्रयोग यहां अलग रंग में चलेगा जहां बंगाल की सांस्कृतिक विविधता को ध्यान में रखा जाएगा।यह सब देखकर लगता है कि भाजपा ने बिहार से एक टेम्प्लेट तैयार कर लिया है, जो जाति की दीवारें तोड़कर विकास की नींव रखेगा। यूपी में जहां योगी का 'ठोक दो' मॉडल महिलाओं को आकर्षित कर रहा है, वहीं बंगाल में ममता की किलेबंदी को भेदने के लिए सामूहिक नेतृत्व और पीएम मोदी के विकास एजेंडे पर दांव लगेगा।लेकिन चुनौतियां कम नहीं। यूपी में सपा का पीडीए अभी भी मजबूत है, और बंगाल में तृणमूल का स्थानीय समर्थन। फिर भी, आंकड़े बोलते हैं बिहार में 71.78 प्रतिशत महिला वोटिंग ने खेल पलट दिया, और अगर यूपी-बंगाल में 60 प्रतिशत भी ऐसा हुआ, तो 2026 का नक्शा बदल जाएगा।राजनीति के इस नए दौर में 'वाई' ही राज करेगा, जहां आधी आबादी और युवा ऊर्जा मिलकर इतिहास रचेंगे। कुल मिलाकर, बिहार की लहर अब पूरे हिंदुस्तान को छू लेगी, और भाजपा का यह दांव या तो मास्टरस्ट्रोक साबित होगा या सबक। वक्त ही बताएगा, लेकिन तैयारी तो जोरों पर है।

नवदृष्टि का समय: बदलाव की राह अपने बच्चों

-प्रियंका सौरभ

समाज परिवर्तन की सबसे कठिन, सबसे लंबी और सबसे महत्त्वपूर्ण यात्रा हमेशा अपने मूल में उन छोटे-छोटे बीजों से शुरू होती है, जिन्हें हम बच्चे कहते हैं। दुनिया की कोई भी क्रांति–विचारों की हो, नैतिकता की हो, तकनीक की हो या इंसानी मूल्यों की–तब तक स्थायी नहीं हो सकती जब तक वह अगली पीढ़ियों के जीवन-दर्शन में अपनी जड़ें न जमा ले। यही कारण है कि बुद्ध, विवेकानंद, गांधी, टैगोर, नेल्सन मंडेला जैसे विचारकों ने मानव सभ्यता में किसी स्थायी परिवर्तन के लिए शिक्षा, संस्कार और बाल मानस की संवर्धन को सबसे महत्वपूर्ण आधार माना। आज जब समाज अनेक स्तरों पर मूल्य-संकट, हिंसा, असहिष्णुता, उपभोक्तावाद, कट्टरता और सामाजिक विघटन की चुनौतियों से गुजर रहा है, तब यह प्रश्न और भी तीखा हो उठता है–क्या हम अपने बच्चों को वह दृष्टि दे पा रहे हैं, जिसके आधार पर वे वर्तमान से बेहतर भविष्य बना सकें?

बच्चों के भीतर समाज को देखने का दृष्टिकोण केवल पाठ्यपुस्तकों से नहीं बनता, बल्कि परिवार, परिवेश, विचारों, संवाद, उदाहरणों और सबसे अधिक–व्यस्कों के व्यवहार से बनता है। बच्चा, दरअसल, समाज का सबसे संवेदनशील दर्पण होता है। जिस प्रकार की भाषा, सोच, सह-अस्तित्व, सामाजिक व्यवहार, संवेदनशीलता और दृष्टि वह अपने आस-पास देखता है, वही धीरे-धीरे उसके भीतर किसी अनलिखी किताब की तरह अंकित हो जाती है। यही कारण है कि यदि हम समाज को बदलना चाहते हैं, तो सबसे पहले हमें अपने व्यवहार, अपने पारिवारिक वातावरण और अपने सामाजिक आचरण को बदलना होगा–क्योंकि बच्चा वही बनता है, जो वह देखता है, वही नहीं बनता, जिसे वह सुनता है।

आज के समय में बच्चों के सामने समाज को समझने के दो बड़े स्रोत मौजूद हैं–एक परिवार, दूसरा डिजिटल दुनिया। दुर्भाग्य यह है कि दोनों में से किसी में भी वह स्पष्ट और संतुलित दृष्टि नहीं मिल पाती, जिसकी उसे आवश्यकता है। परिवारों में संवाद कम हो गया है, समय घट गया है और साथ बैठने की संस्कृति लगभग लुप्त होती जा रही है। वहीं डिजिटल दुनिया बच्चों को सूचना का असीमित सागर तो देती है, परंतु विवेक और दिशा का दीपक नहीं देती। ऐसे में बच्चे जानकारी तो बहुत पा लेते हैं, परंतु समझ की कमी के कारण वह जानकारी उनके भीतर भ्रम, असुरक्षा और अव्यवस्थित दृष्टिकोण पैदा कर देती है।

इसीलिए यह आवश्यक है कि हम बच्चों को समाज को देखने के लिए एक ऐसी दृष्टि दें जो संवेदनशील हो, विवेकपूर्ण हो, वैज्ञानिक हो, नैतिक हो और सबसे अधिक–मानवतावादी हो। बच्चा यदि सीख जाए कि समाज केवल भीड़ नहीं, बल्कि व्यक्तित्वों का एक जीवंत तानाबाना है; कि हर व्यक्ति की अपनी संघर्ष-कथा है; कि हर निर्णय का कोई संदर्भ होता है; और कि सहानुभूति किसी भी सभ्यता का सबसे बड़ा आधार है–तो वह न केवल एक बेहतर नागरिक बनेगा, बल्कि समाज को भी बेहतर दिशा देगा।

आज के समय में बच्चों के सामने समाज को समझने के दो बड़े स्त्रोत मौजूद हैं–एक परिवार, दूसरा डिजिटल दुनिया। दुर्भाग्य यह है कि दोनों में से किसी में भी वह स्पष्ट और संतुलित दृष्टि नहीं मिल पाती, जिसकी उसे आवश्यकता है। परिवारों में संवाद कम हो गया है, समय घट गया है और साथ बैठने की संस्कृति लगभग लुप्त होती जा रही है। वहीं डिजिटल दुनिया बच्चों को सूचना का असीमित सागर तो देती है, परंतु विवेक और दिशा का दीपक नहीं देती। ऐसे में बच्चे जानकारी तो बहुत पा लेते हैं, परंतु समझ की कमी के कारण वह जानकारी उनके भीतर भ्रम, असुरक्षा और अव्यवस्थित दृष्टिकोण पैदा कर देती है।

समाज परिवर्तन का यह बीज तभी पनप सकता है जब हम अपने बच्चों को प्रश्न पूछना सिखाएं। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में बच्चों को प्रश्न पूछने से अधिक उत्तर रटने की आदत डाली जाती है। जबकि सच्चा ज्ञान, सच्चा चिंतन और सच्ची प्रगति वहीं से जन्म लेती है जहाँ प्रश्नों की स्वतंत्रता होती है। यदि बच्चा अपने घर, स्कूल और समाज में यह महसूस करे कि वह निडर होकर प्रश्न कर सकता है, विचार व्यक्त कर सकता है, असहमति जता सकता है, और गलतियों से सीख सकता है–तो उसके भीतर रचनात्मकता और मौलिकता विकसित होती है। यही रचनात्मकता समाज को आगे ले जाती है।

समाज को देखने का नया दृष्टिकोण बच्चों को तभी मिलेगा जब हम उन्हें विविधता को स्वीकार करना सिखाएँ। आज के समय में विभाजन, ध्रुवीकरण और एकांगी सोच के कारण समाज के भीतर खाईयाँ बढ़ रही हैं। बच्चे स्कूलों में साथ पढ़ते हैं, खेलते-कूदते हैं, लेकिन बड़े होने पर अक्सर उन दीवारों को अपना लेते हैं जो समाज ने खड़ी की होती हैं। इसलिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि हम बच्चों को यह समझाएँ कि विविधता समाज की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी ताकत है। यदि वह यह समझ जाए कि हर संस्कृति, हर भाषा, हर परंपरा, हर विचार और हर व्यक्ति समाज की सामूहिक पहचान का हिस्सा है–तो वह न केवल एक बेहतर नागरिक बनेगा, बल्कि वह उन दीवारों को भी तोड़ पाएगा जो नफरत और संकीर्णता खड़ी करती हैं।

समाज बदलने की इस प्रक्रिया में शिक्षा प्रणाली की भूमिका निर्णायक है। शिक्षा केवल परीक्षा पास कराने का साधन नहीं हो सकती, वह बच्चों को जीवन और समाज को समझने की कला भी सिखाए। उन्हें यह बताया जाए कि सफलता केवल अंकों से नहीं, बल्कि इंसानियत, सत्यनिष्ठा, सहयोग, साहस और संवेदनशीलता से भी मापी जाती है। यह भी समझाया जाए कि समाज केवल लिए जाने की चीज नहीं, बल्कि कुछ देने की जिम्मेदारी भी है। जब बच्चा अपने जीवन में ह्यकर्तव्यह्न का भाव समझता है, तभी वह समाज के लिए कुछ करने का संकल्प लेता है।

बच्चों को नई दृष्टि देने के लिए पहला कदम है–उन्हें सही आदर्श देना। आदर्श का मतलब सिर्फ बड़े-बड़े व्यक्तित्व नहीं, बल्कि रोजमर्रा के जीवन में ऐसे छोटे-छोटे उदाहरण भी हैं, जो उनके व्यवहार पर गहरा प्रभाव डालते हैं। जैसे–किसी भूखे को भोजन देना, किसी बुजुर्ग की सहायता करना, प्रकृति की रक्षा करना, सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता रखना, सत्य बोलना, स्त्री-पुरुष समानता मानना, जाति-भेद समाप्त करना और कानून का सम्मान करना। जब बच्चा यह सब अपने घर और समाज में जीवन्त रूप में देखता है, तब उसमें भी वैसा ही चरित्र-विकास होता है।

बच्चों में यह दृष्टि विकसित करने के लिए सबसे आवश्यक है–उन्हें स्वयं सोचने देना, स्वयं अनुभव करने देना, स्वयं सीखने देना। बच्चों पर अपनी सोच थोप देना समाज परिवर्तन का मार्ग नहीं, बल्कि समाज को जड़ता में बाध्य करने का तरीका है। यदि बच्चा स्वयं यह अनुभव करे कि समाज में समस्याएँ हैं और उन्हें बदलना संभव है, तो उसके भीतर यथार्थ की समझ और परिवर्तन का साहस जन्म लेता है।

बच्चों को नया दृष्टिकोण देना मतलब यह नहीं कि हम उन्हें आदर्शवादी कल्पनाओं में जीने दें। बल्कि उन्हें यह समझाना है कि समाज जटिल है, समस्याएँ वास्तविक हैं, लेकिन समाधान भी संभव हैं। उन्हें चुनौतियों को स्वीकार करना सिखाना है। उन्हें यह बताना है कि प्रगति के रास्ते संघर्ष से होकर गुजरते हैं, और यह कि उनके छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिवर्तन का कारण बन सकते हैं।

यदि हम आने वाली पीढ़ियों को यह समझा पाएं कि समाज कोई बाहरी व्यवस्था नहीं, बल्कि ह्यहम सभीह्न की सामूहिक चेतना है–तो समाज को बदलने की यह यात्रा सशक्त और सफल हो सकती है। बच्चे वही समाज बनाएँगे, जो हम आज उनके भीतर बोएँगे। आज यदि हम उनके भीतर सत्य, न्याय, संवेदना, समानता, विज्ञान, विवेक और मानवीय मूल्यों के बीज बोते हैं, तो कल वे उसी समाज की फसल काटेंगे।

अंततः बात फिर उसी सिद्धांत पर आकर खड़ी होती है–समाज को बदलने के लिए सर्वप्रथम हमें अपने बच्चों को समाज को देखने का नया दृष्टिकोण प्रदान करना होगा। यह दृष्टिकोण न केवल उनके भविष्य को उजाला देगा, बल्कि हमारे समाज की सामूहिक चेतना को भी नए क्षितिजों तक ले जाएगा। क्योंकि बच्चा केवल परिवार की आशा या राष्ट्र का भविष्य ही नहीं होता–वह वह दीपक है, जिसकी रोशनी से आने वाले समय का मार्ग प्रकाशित होता है।

पोईसर जिमखाना में शतरंज प्रतियोगिता के आयोजन, पहुंचे गोपाल शेट्टी

कांदिवली, मुंबई (उत्तरशक्ति)। खासदार क्रीड़ा महोत्सव-उत्तर मुम्बई अन्तर्गत कांदिवली के पोईसर जिमखाना में शतरंज प्रतियोगिता का विशाल पैमाने पर आयोजन किया गया। इस आयोजन में उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने विशेष रूप से उपस्थिति दर्ज कराते हुए प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा विजेताओं को पुरस्कृत किया।

जी एम मोमिन विमेंस कालेज अध्ययन केंद्र में पर्सनालिटी डेवलपमेंट पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। यशवंतराव चौहान महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय के जी एम मोमिन विमेंस कालेज स्टडी सेंटर भिवंडी में रविवार 16 नवंबर को बी ए प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए स्वव्यक्तित्व विकासर पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एस एस एकेडमी भिवंडी के निदेशक एवं प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर सायम मोमिन ने पर्सनालिटी डेवलपमेंट पर प्रभावी लेक्चर प्रस्तुत किया। रईस हाई स्कूल के उर्दू बसेरा हाल में बी ए प्रथम वर्ष के छात्रों को संबोधित करते हुए सायम मोमिन ने मानव मनोविज्ञान, स्वअनुशासन, स्प्रेषण कौशल, आत्म विश्वास, सकारात्मक सोच, बॉडी लैंग्वेज, पुस्तक वाचन और समय का महत्त्व आदि बिंदुओं पर अपने विचार व्यक्त किए। छात्रों ने ध्यानपूर्वक लेक्चर सुना और मुख्य बातों को नोट भी किया। स्टडी सेंटर के समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी ने सायम मोमिन का परिचय प्रस्तुत करते हुए पुस्तक भेंट कर उनका स्वागत किया। सय्यद एजाज हाशमी ने कार्यक्रम का संचालन किया। खान जाकिर हुसैन के आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

पुलिस ने चोरी की कोशिश करने वाले तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। नायगांव पुलिस ने महालक्ष्मी ज्वेलर्स, नायगांव (पूर्व) में गैस कटर से लॉकर तोड़कर चोरी करने की कोशिश करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। घटना 14 से 15 नवंबर 2025 की रात हुई, जब चोरों ने दुकान की पिछली दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश किया और गैस कटर से लॉकर काटने का प्रयास किया।

पुलिस ने अपराध शाखा की दो टीमें बनाकर इलाके के सीसीटीवी, आवाजाही मार्ग और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों विजय बंसराज यादव, अमोल देवसिवई गोहिल, सचिन मेघराज सिंह को धर दबोचा। आरोपी अमोल गोहिल के खिलाफ बोरीवली पुलिस स्टेशन में 2021 के दो आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं। यह कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में नायगांव पुलिस टीम ने सफलतापूर्वक पूरी की।

डाबर च्यवनप्राश और अक्षय कुमार ने नए कैंपेन बीमार या तैयार के साथ तैयारी महत्व पर दिया जोर

मुंबई/पटना। भारत की सबसे भरोसेमंद नैचुरल हेल्थकेयर कंपनी डाबर ने डाबर च्यवनप्राश के लिए अपने नए हाई-इम्पैक्ट कैंपेन बीमार या तैयार के लॉन्च की घोषणा की है। ब्राण्ड अम्बेसडर और फिटनेस आइकन अक्षय कुमार के साथ फिल्माए गए इस कैंपेन की अवधारणा मैक कैन वर्ल्ड ग्रुप इंडिया ने तैयार की है, जो मौसम में होने वाले बदलाव और पर्यावरणी चुनौतियों के लिए तैयार रहने के महत्व पर जोर देता है। यह नया कैंपेन इस बात पर जोर देता है कि अगर आप बदलते मौसम के लिए तैयार न रहें तो आप बीमार हो सकते हैं। और इस तैयारी में मदद करता है 40 से अधिक आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों से बना डाबर च्यवनप्राश, जो सिर्फ एक उपचार नहीं, बल्कि भीतरी क्षमता और इम्युनिटी बढ़ाने वाला डेली रिचुअल है। यह कैंपेन उपभोक्ताओं को बीमारी के इलाज के बजाए इसकी रोकथाम के लिए प्रेरित करता है। श्रीराम पद्मनाभन, डाइरेक्टर हेल्थकेयर, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कैंपेन का लॉन्च करते हुए कहा, आज की चुनौतियों से भरी दुनिया में पूरी तरह से तैयार रहना ही जीत हासिल करने का एकमात्र तरीका है। आज के दौर में आप बीमारी के कारण अचानक अपने काम से छुट्टी नहीं ले सकते। हमारा मानना है कि इम्युनिटी ही आपको बीमारी से लड़ने के लिए तैयार करती है। बीमार या तैयार कैंपेन के साथ हम उपभोक्ताओं को संदेश देना चाहते हैं कि वे बीमारी के इलाज के दायरे से आगे बढ़कर इसकी रोकथाम के बारे में सोचें। अपनी इम्युनिटी यानि बीमारियों से लड़ने की क्षमता को मजबूत बनाने के लिए रोजाना डाबर च्यवनप्राश का सेवन करें।

पालघर में करोड़ों की ज्वेलरी चोरी का सनसनीखेज खुलासा, नेपाल मूल के पाँच आरोपी गिरफ्तार

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले में हुई करोड़ों की ज्वेलरी चोरी की गुत्थी को पालघर पुलिस ने कम समय में सुलझाते हुए बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने इस वारदात में शामिल नेपाल मूल के पाँच मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में सोना-चांदी और नकदी बरामद की है। पुलिस ने 2.255 किलो सोना, 41.481 किलो चांदी और 74.94 लाख नकद सहित कुल 3.28 करोड़ का माल जब्त किया है।

गौरतलब हो कि नाकोडा ज्वेलर्स, अशोका अंबर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में 8 नवंबर की रात अज्ञात चोरों ने पास की दुकान की दीवार में छेद कर प्रवेश किया था। चोरों ने गैस कटर से तिजोरी काटकर 5.420 किलो सोना, 40 किलो

चांदी और 20 लाख नकद पर हाथ साफ कर दिया था। घटना की जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में वॉचमैन दीपक सिंह अपने साथियों संग संदिग्ध रूप से आते-जाते नजर आया। तकनीकी विश्लेषण में यह भी पता चला कि आरोपी नेपाल के रहने वाले हैं और चोरी के बाद गुजरात की ओर होते हुए नेपाल सीमा तक पहुँच चुके थे। पालघर पुलिस की टीमों ने तत्काल विभिन्न राज्यों में दबिशें दीं। यूपी के खीरीझनेपाल बॉर्डर व सूरत में संयुक्त कार्रवाई कर पुलिस ने सभी पाँच आरोपियों दीपक नरबहादुर सिंह, भुवनसिंह चेलाऊने, जीवनकुमार थारु, खेमराज देवकोटा और अर्जुन दामबहादुर सोनी को गिरफ्तार कर लिया। बरामद माल का अधिकांश हिस्सा शिकायतकर्ता को वापस सौंप दिया गया है। इस पूरे ऑपरेशन का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख ने किया, जबकि अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले और उपविभागीय पुलिस अधिकारी प्रभा राऊळ के मार्गदर्शन में स्थानीय अपराध शाखा व पालघर पुलिस की संयुक्त टीम ने यह सफलता हासिल की। कार्रवाई में पुलिस निरीक्षक प्रदीप पाटील, पोनि/अनंत पराड, सपोनि/अनिल व्हटकर, सपोनि/मल्हार थोरात, पोउनि/रोहित खोत, पोउनि/गोरखनाथ राठोड, पोउनि/धनाजी काले, पोउनि/विठ्ठल मणिकेरी, पोउनि/सुनिल नलावडे, पोहवा दीपक राऊत, संदीप सूर्यवंशी, संदीप सरदार, भगवान आव्हाड, कपिल नेमाडे, नरेंद्र पाटील, विजय ठाकुर, संजय धांगडा, चंद्रकांत सुरुम, पोना कल्याण केंगार, पोअमं प्रशांत निकम, विशाल लोहार, सागर राऊत, वाल्मीक पाटील, महिला पोअमं स्नेहल शेलार व स्नेहलता ढोले सहित पूरी टीम ने सराहनीय भूमिका निभाई।

भारत में डिजिटल उद्यमिता को नई दिशा दे रहा है डब्ल्यूकॉमर्स

मुंबई। हैदराबाद स्थित डिजिटल कॉमर्स प्लेटफॉर्म, डब्ल्यूकॉमर्स पूरे भारत में व्यक्तियों और छोटे व्यवसायों को शून्य निवेश और शून्य स्टॉक के साथ ऑनलाइन स्टोर शुरू करने में सक्षम बना रहा है। किराना दुकानदारों से लेकर कंटेंट क्रिएटर्स और होम बेस्ड एंटरप्रेन्योर्स तक, कोई भी व्यक्ति अपना स्टोर शुरू कर सकता है और बिना इन्वेंट्री या लॉजिस्टिक्स संभाले हर ऑर्डर पर 20-40% का लाभ कमा सकता है। डब्ल्यूकॉमर्स हर यूजर को एक तैयार ऑनलाइन स्टोर प्रदान करता है। स्टोर मालिक अपने स्टोर का लिंक या क्यूआर कोड ग्राहकों के साथ साझा कर सकते हैं, सोशल मीडिया पर उसका प्रचार कर सकते हैं, या बार-बार आने वाले खरीदारों पर भरोसा कर सकते हैं।

वित्त मंत्री पीयूष गोयल के हाथों पुरस्कृत हुए युवा उद्योगपति अभिषेक लोढ़ा

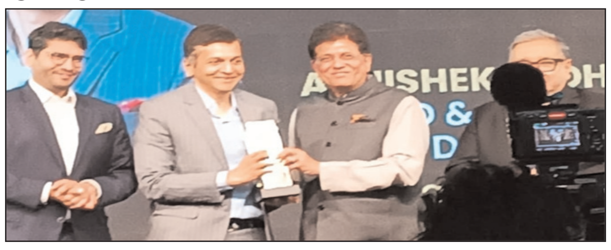

मुंबई (उत्तरशक्ति)। फेडरल बैंक द्वारा ओबेरॉय होटल के रीगल रूम में आयोजित फॉर्च्यून इंडिया बेस्ट सीईओज अवार्ड समारोह में युवा उद्योगपति अभिषेक मंगलप्रभात लोढ़ा को देश के शीर्ष कॉरपोरेट नेताओं में शामिल करते हुए सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता, दूरदृष्टि और भारत की आर्थिक प्रगति में उनके योगदान को दर्शाता है। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त मंत्री पीयूष गोयल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने यह सम्मान अभिषेक लोढ़ा को प्रदान किया। उनकी उपस्थिति ने इस क्षण को और भी गौरवपूर्ण और यादगार बना दिया। अपनी खुशी व्यक्त करते हुए मंजू लोढ़ा ने कहा कि यह सम्मान अभिषेक की निष्ठा, प्रतिबद्धता, और उत्कृष्ट नेतृत्व का परिणाम है। उनका सफर आज भी अनेक लोगों को प्रेरित करता है और आगे भी करता रहेगा। इस सम्मान के साथ अभिषेक लोढ़ा भारत के अग्रणी सीईओज की श्रेणी में एक बार फिर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराते हैं, और नेतृत्व, नवाचार एवं विकास के नए मानदंड स्थापित करते हैं।

डोंबिवली में पूर्व नगरसेवकों का शिवसेना को राम - राम भाजपा में किया प्रवेश

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की उपस्थिति में मंगलवार की सुबह से भाजपा में प्रवेश करने वालों की होड़ लगी हुई थी। डोंबिवली पश्चिम में शिवसेना पदाधिकारी अनमोल वामन म्हात्रे और उनके सैकड़ों समर्थक भाजपा में शामिल हो गए। इसके अलावा, शिवसेना तालुका प्रमुख महेश पाटिल भी अपने दर्जनों सहयोगियों के साथ भाजपा में शामिल हो गए। इससे शिवसेना शिंदे गुट को बड़ा झटका लगा है।

बताते की प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की उपस्थिति में महेश पाटिल और उनकी बहन पूर्व नगरसेविका सुनीता पाटिल ने भाजपा का दामन थाम लिया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष नंदू परब, पूर्व उपमहापौर

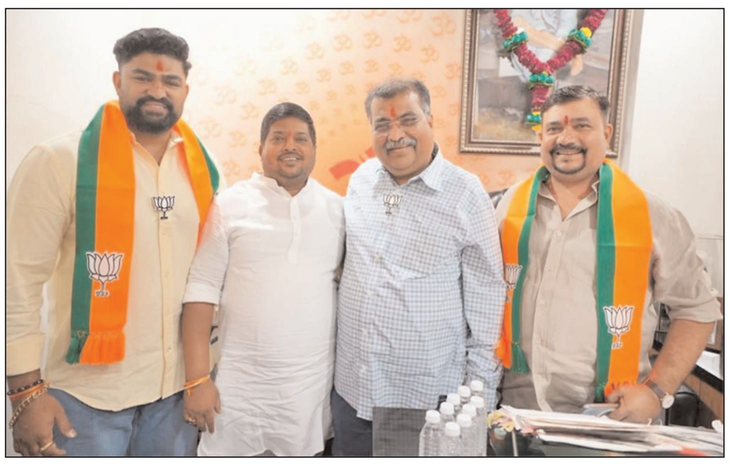

राहुल दामले, पूर्व स्थायी समिति सभापति दीपेश म्हात्रे, मंदार हलबे, नंदू म्हात्रे, जीतू भोईर नाना सूर्यवंशी आदि अनेकों पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। भाजपा में प्रवेश के बाद महेश पाटिल ने आरोप लगाया कि शिवसेना (शिंदे गुट) में उनके विरोधियों को पार्टी स्तर पर बढ़ावा दिया जा रहा था और लंबे समय से उनके साथ अन्याय हो रहा था। महेश पाटिल ने कहा कि मेरी आपत्तियों और शिकायतों को लगातार नजरअंदाज किया गया। पार्टी में सहयोग के बजाय हमारे विरोधियों को सहारा दिया जा रहा था। इसी नाराजगी के चलते मैंने शिवसेना छोड़कर भाजपा में घर वापसी करने का फैसला लिया है। बताया जा रहा है कि महेश पाटिल के भाजपा में शामिल होने से स्थानीय राजनीतिक समीकरणों पर असर पड़ सकता है।

आर्य गुरुकुल कल्याण और अंबरनाथ में बाल दिवस के अवसर पर आनंद और एकजुटता का उत्सव

कल्याण (उत्तरशक्ति)। आर्य गुरुकुल कल्याण और आर्य गुरुकुल अंबरनाथ हँसी, सीख और प्रेम से जीवंत हो उठे जब परिवार बाल दिवस कार्निवल मनाने के लिए एकत्रित हुए। यह एक आयोजन से कहीं बढ़कर था - यह माता-पिता और उनके बच्चों के बीच के खूबसूरत बंधन का उत्सव था, एक ऐसा दिन जहाँ हर मुस्कान एक जुड़ाव की कहानी कहती थी। श्रीकृष्ण मलिक (सूचना प्रौद्योगिकी निदेशक) ने कहा कि 1000 से ज्यादा माता-पिता अपने बच्चों के साथ ऐसी यादें बनाने के लिए शामिल हुए जिन्हें वर्षों तक संजोया जाएगा...यह कार्निवल मौज-मस्ती, सीख और सांस्कृतिक अनुभवों का

मिश्रण प्रदान करने के लिए सोच-समझकर डिजाइन किया गया था, जो भारतीय संस्कृति को आधुनिक तकनीक के साथ एकीकृत करके आर्य गुरुकुल के दर्शन के मूल में निहित भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करता है। माता-पिता और बच्चों ने फन एंड गेम जोन में रोमांचक गतिविधियों जैसे जॉपिंग कैसल, रिंग टॉस, स्नेक एंड लैडर, मेमोरी गेम, नेचर हट और इको शराडेस का आनंद लिया। लर्निंग एंड डिस्कवरी जोन में, परिवारों ने सीवीपी ट्री सेल्फी बूथऔर माइक्रोग्रीन स्टोरी टाइम का आनंद लिया, जिससे रचनात्मकता और स्थिरता पर बातचीत को बढ़ावा मिला। प्रधानाचार्य दिव्या बोरसे ने बताया। फूड एंड मार्केट स्ट्रीट में स्वादिष्ट स्नैक्स, चॉकलेट, किताबें और घर ले जाने के लिए पौधे उपलब्ध थे,और मैजिक शो ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा, जहाँ परिवार विस्मय में एक साथ बैठे और अविस्मरणीय यादें बनाईं।

अमृता टी' ने भारतीय भारतीय चाय को दी नई पहचान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। लंबे समय से स्थापित ब्रांडों के बीच अमृता टी एक ताजगीभरा और भरोसेमंद घरेलू नाम बनकर उभरा है, जो भारत के पसंदीदा पेय–चाय–को नए अंदाज में परिभाषित कर रहा है। प्रामाणिकता में जमी इसकी जड़ें और नवाचार से प्रेरित दृष्टिकोण इसे गुणवत्ता, भरोसे और स्थानीय स्वादों की गहरी समझ वाला ब्रांड बनाते हैं।

अमृता टी की मैनेजिंग डायरेक्टर, इशिता मालपानी, कहती हैं, हम हमेशा मानते हैं कि एक मजबूत चाय ब्रांड की नींव भरोसे और ईमानदारी पर टिकी होती है। हमारी असली ताकत हमारी अनुकूलता और रचनात्मकता में है। हमने पारंपरिक चाय ज्ञान को आधुनिक ब्रांड सोच के साथ जोड़कर ऐसे उत्पाद तैयार किए हैं जो न सिर्फ उच्च गुणवत्ता वाले हैं बल्कि उपभोक्ताओं से भावनात्मक रूप से भी जुड़ते हैं। मालपानी बताती हैं कि महामारी के बाद उपभोक्ता व्यवहार में उल्लेखनीय बदलाव आया है। उपभोक्ता अब सामग्री को लेकर अधिक जागरूक हो गए हैं और ऐसे मिश्रण तलाश रहे हैं जो वेलनेस का भी समर्थन करें। उनके अनुसार, हमने दो प्रमुख ट्रेंड देखे हैं–नॉस्टैल्जिया और उद्देश्यपूर्ण प्रयोग। उपभोक्ता परिचित स्वादों से आराम पाते हैं, लेकिन नए फ्लेवर आजमाने के लिए भी उत्साहित रहते हैं। आज स्वास्थ्य और पारदर्शिता, स्वाद जितने ही महत्वपूर्ण हो गए हैं।

इन्हीं जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अमृता टी ने तेजी से ऐसे फंक्शनल ब्लेंड्स विकसित किए हैं जो आनंद और स्वास्थ्य दोनों का संतुलन बनाए रखते हैं। कंपनी निरंतर आरएण्डडी में निवेश कर रही है ताकि प्राकृतिक जड़ी-बूटियों और बॉटनिकल्स से युक्त मिश्रण तैयार किए जा सकें, जो पाचन को बेहतर बनाएं, तनाव कम करें और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं। भारत में तेजी से विस्तार कर रहा यह ब्रांड अब वैश्विक बाजारों की ओर भी कदम बढ़ा रहा है, जहाँ भारतीय डायस्पोरा लगातार बढ़ रहा है। मालपानी कहती हैं, हम अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात और समान विचारधारा वाले ब्रांडों के साथ प्राइवेट-लेबल साझेदारियों की तलाश कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य अमृता टी को भरोसे और स्वाद का पर्याय बनाना है–देश में भी और दुनिया भर में भी।

ब्रांड की हर पेशकश के पीछे गुणवत्ता और स्थिरता के प्रति उसकी गहरी प्रतिबद्धता झलकती है। अमृता टी नैतिक सोर्सिंग, फेयर ट्रेड और गुणवत्ता की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए उत्पादकों के साथ नजदीकी सहयोग में काम करता है।

साथ ही, ब्रांड उन्नत तकनीकों का उपयोग कर रहा है–जैसे ऑटोमेटेड ब्लेंडिंग और पैकेजिंग, और एआई आधारित स्वाद विश्लेषण–ताकि हर बैच अपने उच्चतम मानकों पर खरा उतरे।

जयप्रकाश सिंह बने शिवसेना उत्तर भारतीय संघटना के महाराष्ट्र कार्याध्यक्ष

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ समाजसेवी तथा लोकप्रिय उत्तर भारतीय नेता तथा शिवसेना नेता संजय निरुपम के अत्यंत करीबी जयप्रकाश सिंह के अच्छे कार्यो को देखते हुए शिवसेना शिंदे गुट द्वारा उन्हें उत्तर भारतीय संघटना के महाराष्ट्र अध्यक्ष गुलाब दुबे की संस्तुति पर महाराष्ट्र कार्याध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। समझा जाता है कि महानगरपालिका चुनाव को ध्यान में रखते हुए उन्हें यह विशेष जिम्मेदारी दी गई है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री तथा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एकनाथ शिंदे ने इन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देते हुए आशा जताई है कि हिंदू हृदयसम्राट

बालासाहेब ठाकरे के हिंदुत्व विचारधारा तथा धर्मवीर आनंद दिघे की शिक्षाओं से प्रेरित होकर जयप्रकाश सिंह भी पार्टी के लिए समर्पित भावना के साथ काम करेंगे तथा उत्तर भारतीय संघटना को और मजबूत करने का काम करेंगे। जयप्रकाश सिंह ने कहा कि वे दी गई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरे मनोयोग और समर्पित भावना के साथ करेंगे। उन्होंने दी गई जिम्मेदारी के लिए उपमुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महानगरपालिका चुनाव में उत्तर भारतीय समाज को शिवसेना के पक्ष में मतदान करने के लिए पूरी ताकत से कड़ी मेहनत करेंगे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एकनाथ शिंदे ने गुलाब दुबे को उत्तर भारतीय संघटना का महाराष्ट्र अध्यक्ष, राजेश सिंह को महाराष्ट्र सचिव, सुनील शुक्ला को महाराष्ट्र उपाध्यक्ष, दिनेश सिंह को महाराष्ट्र कोषाध्यक्ष का नियुक्ति पत्र प्रदान किया।

यूपीएल ने डॉव जोन्स सस्टेनेबिलिटी इंडेक्स में सर्वोच्च ईएसजी स्कोर हासिल किया, दुनियाभर की एग्रीकल्चरल सॉल्यूशन्स कंपनियों में शीर्ष स्थान

मुंबई। वैश्विक स्तर पर सतत कृषि समाधानों की प्रमुख प्रदाता, यूपीएल ने एसएंडपी ग्लोबल द्वारा संचालित 2025 डॉव जोन्स सस्टेनेबिलिटी इंडेक्स (डीजेएसआई) में कृषि समाधान कंपनियों में सर्वोच्च ईएसजी स्कोर हासिल किया है। यूपीएल एकमात्र एग्रीकल्चरल सॉल्यूशन्स कंपनी है जिसे डीजेएसआई वर्ल्ड इंडेक्स में शामिल किया गया है।

2025 एसएंडपी ग्लोबल कॉरपोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट (सीएसए) में यूपीएल ने 100 में से 77 का ईएसजी स्कोर प्राप्त किया, जो केमिकल सेक्टर के औसत स्कोर 32 से काफी अधिक है। यह उपलब्धि पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस के सभी क्षेत्रों में यूपीएल के मजबूत प्रदर्शन को दर्शाती है और टिकाऊ प्रथाओं में इसकी नेतृत्व भूमिका को और सुदृढ़ करती है।

इस उपलब्धि पर बात करते हुए, यूपीएल समूह के चेयरमैन और ग्रुप सीईओ, श्री जय श्रॉफ ने कहा,

यूपीएल में, हम मानते हैं कि दुनिया भर में सस्टेनेबिलिटी संबंधी प्रयासों की मुख्य आधार कृषि ही है, और हमें गर्व है कि हम अपने क्षेत्र में दुनिया की शीर्ष सस्टेनेबल कंपनी हैं। यह मान्यता हमारे ह्यरीइमैजिनिंग सस्टेनेबिलिटीह्य के संकल्प को मजबूत करती है, और यह दर्शाती है कि कृषि कैसे एक सकारात्मक शक्ति हो सकती है - किसानों को सशक्त बनाना, खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा, सतत विकास को बढ़ावा देना और सभी के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना।

यूपीएल ग्रुप के चीफ सस्टेनेबिलिटी ऑफिसर, डॉ. मृत्युंजय चौबे ने कहा, ह्यवित्त वर्ष 25 में, हमने न सिर्फ अपने पर्यावरणीय फुटप्रिंट को कम करने के लक्ष्यों को पूरा किया, बल्कि उन्हें उल्लेखनीय रूप से पार भी किया। विश्व स्तर पर, हमने उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है – कार्बन उत्सर्जन की इंटेंसिटी में 38% कमी, पानी के उपयोग में 49% कमी, और वित्त वर्ष 2020 के बेसलाइन की तुलना में कचरा उत्पादन में 52% कमी। ये परिणाम हमारे सार्थक प्रभाव लाने और उद्योग में सस्टेनेबिलिटी के नए मानक स्थापित करने के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं ह्य

डीजेएसआई कंपनियों के पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस (ईएसजी) प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए वैश्विक स्तर पर एक प्रतिष्ठित मानक है। 2025 के आकलन में दुनिया भर की 13,000 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया, जो वैश्विक बाजार पूंजीकरण का 99% प्रतिनिधित्व करती हैं।

यूपीएल का स्कोर इसे शीर्ष वैश्विक प्रदर्शनकर्ताओं में शामिल करता है, जो निवेशकों और हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने वाली सर्वश्रेष्ठ श्रेणी की सस्टेनेबिलिटी प्रथाओं के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुद्रित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हा. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

दलित की भूमि को भूमाफिया द्वारा बैसट्टा की आड़ में धड़ल्ले से बिक्री करने का कार्य जारी

पिड़ित ने एसडीएम केराकत को प्रार्थना पत्र देकर लगायी न्याय की गुहार

मो.असलम खान

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भूमाफिया द्वारा बैसट्टा की आड़ में धड़ल्ले से दलित की भूमि विक्री करनें का कार्य किया जा रहा है। केराकत तहसील क्षेत्र के ग्राम अकबरपुर में आराजी नम्बर 1151 व 1157 की भूमि 4 सगे भाइयों के नाम था जिसमें से दो भाई विश्वनाथ और अमरनाथ द्वारा सम्पूर्ण अंश बेच दिया गया। जब कि शेष दो भाई रामनाथ व शोभनाथ पुत्रगण स्वर्गीय पतिराम सरोज का हिस्सा बचा हुआ है। जिस पर भूमाफिया राजेश कसौधन पुत्र जितेन्द्र कसौधन जो कि शातिर किस्म का गोल बन्द व्यक्ति है। धन और बाहुबल के दम पर रामनाथ और शोभनाथ सरोज की हिस्से की जमीन पर बाउंड्रीबाल जबरिया बनाकर कब्जा कर दोनों भाइयों के घरों पर चढ़कर अपने गिरोह के साथ भद्दी-भद्दी गालियां देने के साथ आये दिन जान-माल की धमकी दी जा रही है। इस सम्बन्ध में दोनों भाइयों रामनाथ और शोभनाथ द्वारा एसडीएम केराकत को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई गई जिस पर एसडीएम नें अवैध निर्माण पर रोक लगा दिया है। इस सम्बन्ध में एसडीएम न्यायालय में फाट बटवारे का वाद चल रहा है।

एसडीएम न्यायालय में फाट बटवारे का वाद है दाखिल

कुलपति ने किया सेमेस्टर परीक्षाओं का निरीक्षण

◆ तीन जिलों में हुई सुचितापूर्ण शुरूआत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाएँ मंगलवार को गाजीपुर के 155, जौनपुर के 138 और प्रयागराज के एक परीक्षा केंद्र पर प्रारंभ हुईं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने जौनपुर जनपद के गुलाबी देवी महाविद्यालय, सिद्दीकपुर का निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय द्वारा सुचितापूर्ण परीक्षा संपन्न कराने हेतु जारी सभी दिशा-निदेशों का महाविद्यालयों द्वारा कड़ाई से पालन किया जाए। यदि किसी महाविद्यालय को परीक्षा संचालन में कोई समस्या आती है तो वह तत्काल विश्वविद्यालय को सूचित करे, ताकि समय रहते उसका समाधान किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि सीसीटीवी का लाइव लिंक विश्वविद्यालय के केंद्रीय निरीक्षण कक्ष से जुड़ा होना अनिवार्य है। इसी क्रम में प्रथम पाली में जनपद जौनपुर के मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज एवं शिया पीजी कॉलेज के परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा किया गया।

आज स्नातक स्तर के संगीत गायन, उर्दू, संस्कृत और बायोटेक्नोलॉजी तथा परास्नातक स्तर के रसायन विज्ञान (इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री), परास्नातक गणित, प्राणी विज्ञान,और भौतिकी (क्लासिकल इलेक्ट्रोडायनामिक्स) के प्रश्नपत्रों की परीक्षाएँ गाजीपुर के 155, जौनपुर के 138 तथा प्रयागराज के एक परीक्षा केंद्र पर सम्पन्न हुईं।

यातायात माह के दौरान बधिर चालकों के वाहनों पर लगाया जाएगा 'कान' का प्रतीक चिन्ह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यातायात माह के दौरान सड़क सुरक्षा हेतु पहल, बधिर चालकों के वाहनों पर लगाया जाएगा 'कान' का प्रतीक चिन्ह ,सडक सुरक्षा एवं जन जागरूकता अभियान के तहत, बधिर चालकों की सुरक्षा और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसके अंतर्गत, 'बधिर चालक/कान के प्रतीक चिन्ह' योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। अखिल उत्तर प्रदेश बधिर संस्था के पदाधिकारी अभय कुमार सिंह और अन्य प्रतिनिधियों ने आज पुलिस अधीक्षक, जौनपुर से भेंट कर बधिर चालकों द्वारा चलाए जाने वाले वाहनों पर 'कान' के प्रतीक चिन्ह लगाने हेतु चलाए जा रहे अभियान में पुलिस प्रशासन से सहयोग की अपेक्षा की।

बधिर चालकों के वाहनों पर यह विशेष प्रतीक चिन्ह लगाने और इसके प्रति व्यापक जागरूकता फैलाने से सड़क दुर्घटनाओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। यह चिन्ह अन्य वाहन चालकों को यह संकेत देगा कि वाहन का चालक बधिर है, जिससे वे अधिक सावधानी बरतेंगे और हॉर्न बजाने की बजाय अन्य दृश्य संकेतों का उपयोग करेंगे।

पुलिस अधीक्षक, जौनपुर ने इस जन हितैषी पहल की सराहना करते हुए अखिल उत्तर प्रदेश बधिर संस्था को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। यह संयुक्त प्रयास सड़क सुरक्षा को मजबूत करने और समाज के सभी वर्गों, विशेषकर बधिर चालकों, के लिए सुरक्षित यातायात सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य का जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र द्वारा तहसील मड़ियाहूं के सभागार में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य के तहत फॉर्मो के डिजिटाइजेशन कार्य का आकस्मिक निरीक्षण करते हुए अद्यतन प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि फॉर्मों के डिजिटाइजेशन का कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि गति बढ़ाते हुए आज 20,000 फॉर्मों का डिजिटाइजेशन कार्य सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने संबंधित कार्मिकों को जानकारी देते हुए निर्देशित किया कि फॉर्म भरने, संग्रहण तथा तकनीकी प्रक्रियाओं के प्रत्येक चरण में सावधानी बरतें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुरूप समयबद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना अत्यंत आवश्यक है, जिसके लिए सभी कार्मिक अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन गंभीरता से करें और अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करें।

जिलाधिकारी ने बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सूची से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने की स्थिति, कार्य की प्रगति एवं गणना प्रपत्रों की जानकारी का सत्यापन, फॉर्म वितरण, संकलन एवं उसकी वापसी की वास्तविक स्थिति, डिजिटाइजेशन प्रक्रिया की गति एवं गुणवत्तापूर्ण फीडिंग कार्य, मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रगति के संबंध में जानकारी ली और और निर्देश दिए कि मा० भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार कार्य को समयबद्ध रूप से संपादित किया जाए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि ईआरओ, एईआरओ सुपरवाइजर एवं बीएलओ आपसी समन्वय बनाते हुए यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में पंजीकृत हो तथा संशोधन एवं शुद्धिकरण कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए।

साथ ही जिलाधिकारी ने यह भी अवगत कराया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अब मतदाता voter.eci.gov.in पोर्टल पर जाकर अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर एवं मतदाता पहचान पत्र संख्या के माध्यम से गणना प्रपत्र (फॉर्म) को ऑनलाइन भी भर सकते हैं। यह सुविधा मतदाताओं को प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता और सरलता प्रदान करती है।

इसके पूर्व 17 नवम्बर 2025 को जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र द्वारा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र मल्हनी में किए जा रहे कार्यों की प्रगति का आकस्मिक निरीक्षण और विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान उन्होंने बीएलओ से दूरभाष के माध्यम से गणना प्रपत्र के वितरण और संग्रहण के संबंध में जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया के संबंध में भी जानकारी ली। इस दौरान उपजिला निर्वाचन अधिकारी रामअक्षयबर चौहान, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, ईआरओ, सुपरवाइजर सहित अन्य उपस्थित रहे।

कानपुर में 2 दरोगा व 2 बैंक मैनेजर से शादी करने वाली लुटेरी दुल्हन अरेस्ट

कानपुर में 10 खातों में मिले 8 करोड रुपए

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। कानपुर ग्वालटोली थाने में तैनात दरोगा आदित्य कुमार लोचव से चौथी शादी कर उन्हें झांसा देने वाली लुटेरी दुल्हन दिव्यांशी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके खातों से 8 करोड़ से अधिक की रकम मिली। पुलिस के अनुसार दिव्यांशी ने दो बैंक अधिकारियों समेत 12 से ज्यादा लोगों को प्यार के जाल में फंसाकर नाजायज संबंध, फिर फर्जी रेप केस दर्ज कराकर करोड़ों रुपये ऐंठे, उसने पहले दो बैंक मैनेजरों और फिर मेरठ में तैनात एक दरोगा से शादी कर फर्जी मुकदमे किए। पुलिस जांच में सामने आया कि उसके खातों से दरोगा, इंस्पेक्टर और सीओ तक के खातों में करोड़ों का ट्रांजैक्शन हुआ। गैंग में कई पुलिसकर्मियों की संलिप्तता भी सामने आई, दबाव और उत्पीड़न के चलते दरोगा आदित्य ने दो बार आत्महत्या का प्रयास तक किया था।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर ने परेड की सलामी लेकर किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर द्वारा मंगलवार परेड की सलामी लेकर किया गया निरीक्षण तथा पुलिस कर्मियों को शारिरिक व मानसिक रुप से फिट रहने के लिए लगवाई गयी दौड़ एवं कराया गया ड्रिल, आयुष श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर द्वारा पुलिस लाइन जौनपुर परेड ग्राउंड पर मंगलवार की परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया, तत्पश्चात जवानों को शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए ड्रिल कराया गया। परेड के उपरान्त विभिन्न शाखाओं शस्त्रागार, जीपी स्टोर, पुलिस अस्पताल, कैन्टीन, पुलिस लाइन परिसर में भ्रमण कर साफ सफाई इत्यादि का निरीक्षण किया गया। आदेश कक्ष में कर्मचारियों का ओ0आर0 किया गया तथा अभिलेखों का अवलोकन कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

उद्यान विभाग द्वारा निःशुल्क लहसुन बीज पाकर कृषको के खिले चेहरे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि 17 नवम्बर 2025 को कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी कैम्पस में एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत मशाला क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम में जनपद के लगभग 300 कृषको को कैम्प लगाकर मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मौर्या के कर कमलो द्वारा लहसुन बीज वितरित किया गया।

जनपद के 21 विकास खण्डो से कृषको द्वारा पंजीयन किया गया था, बडी संख्या में कृषको के उपस्थित होने के कारण कृषको के बीच टोकन के माध्यम से लहसुन बीज वितरित किया गया। कार्यक्रम में जिला उद्यान अधिकारी डा0 सीमा सिंह राणा ने विभागीय योजनाओ यथा- एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत नवीन उद्यान रोपण कार्यक्रम अर्न्तगत ड्रैगन फ्रूट की खेती, मशरूम उत्पादन इकाई स्थापना मशाला क्षेत्र विस्तार अन्तर्गत लहसुन, प्याज की खेती के सम्बन्ध में एंव पर ड्राप मोर क्राप माइक्रोइरीगेशन योजनान्तर्गत सिंचाई संयत्रो की स्थापना व इससे होने वाले लाभ के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी देते हुए कृषको को उद्यान विभाग द्वारा जनपद में चलायी जा रही सभी योजनाओ में कृषको से बढ चढ कर लाभ लेने का आहवन किया तथा सभी फसलो को परम्परागत सिंचाई से हट कर मिनी स्प्रिंकलर, एंव ड्रिप इरीगेशन सिस्टम से सिंचाई करने पर जोर दिया। इस अवसर पर भाजपा नेता श्री रामसूरत मौर्या ने प्रदेश में योगी सरकार द्वारा किये जा रहे है कार्यो की उच्च गुणवत्ता एंव सुचिता के लिए सरकार का धन्यवाद दिया और कृषको के बीच इतनी बडी मात्रा में निःशुल्क वितरित किये जा रहे लहसुन बीज पर खुशी जाहिर करते हुए जिला उद्यान अधिकारी को धन्यवाद दिया।

मुख्य अतिथि द्वारा कृषको को सम्बोधित करते हुए बताया कि अभी हाल ही में उद्यान विभाग द्वारा उच्च गुणवत्ता के प्याज का बीज निःशुल्क वितरित किया गया। जबकि बाजार में प्याज बीज की कीमत रू0 2500 से 3000 प्रति किग्रा0 है। जनपद में कम जोत वाले कृषको के लिए अपने प्रयास से और जनपदो की अपेक्षा लहसुन व प्याज का लक्ष्य इतना अधिक मिलने के लिए जिला उद्यान अधिकारी के प्रयास की हम सराहना करते है। कार्यक्रम के अन्त में जिला उद्यान अधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि एंव सुदूर ब्लाको से आये हुए कृषको को धन्यवाद ज्ञिपत किया। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा बताया गया कि कृषक भाई योजना में पंजीयन कराकर अभिलेख कार्यालय में जमा कराकर निःशुल्क लहसुन बीज प्राप्त कर सकते है।

मनबढ़ों ने पत्रकार की कार में की तोड़फोड़, दहशत में परिवार

जफराबाद,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर क्षेत्र के जगदीशपुर गांव में सोमवार की देर रात मनबढ़ तत्वों ने एक पत्रकार की कार में जमकर तोड़फोड़ कर दी। अचानक हुए इस हमले से पीड़ित परिवार सहम गया। मामले में पीड़ित ने दो नामजद सहित तीन लोगों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है।

गांव निवासी पत्रकार विवेक कुमार सिंह का पड़ोसियों से लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। इसी रंजिश में उनके परिवार से कई बार कहासुनी हो चुकी है। पीड़ित ने बताया कि उनकी मां की तबीयत गंभीर चल रही है, जिनकी देखरेख के बाद वह रात में सो गए थे। करीब डेढ़ बजे बाहर से जोर की आवाज सुनकर उनकी पत्नी संगीता सिंह और पुत्री रितिका बाहर निकलीं, तो देखा तीन युवक वहां से भाग रहे थे।

परिजनों ने भागते हुए दो युवक–राहुल सिंह पुत्र अमरजीत सिंह और रोहन सिंह पुत्र राजेश सिंह–की पहचान कर ली, जबकि एक युवक पहचान में नहीं आया। पीड़ित ने बताया कि 27 अक्टूबर 2015 को भी रोहन सिंह असलहा लहराते हुए घर पर जान से मारने की धमकी दे चुका है। घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित ने तीनों आरोपियों के विरुद्ध तहरीर दी।

इस संबंध में थाने पर मौजूद एसआई राजकुमार तिवारी ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो गई है। मामले की जांच के लिए एसआई राम अवतार यादव को लगाया गया है। थानाप्रभारी गजानंद चौबे के आने के बाद आगे की उचित कार्रवाई की जाएगी '

वट वृक्ष का रूप ले चुका बाल संरचना संस्थान इंटर कॉलेज: रमेश सिंह

धूमधाम से मनाया गया बाल संरचना संस्थान इंटर कॉलेज लालापुर का 36वां वार्षिकोत्सव

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति से बच्चों ने मोहा मन

सुइथाकला, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के बाल संरचना संस्थान इंटर कॉलेज लालापुर का 36 वां वार्षिकोत्सव मंगलवार को धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छात्र-छात्राओं ने गीत, भजन, एकांकी, नाटक, कव्वाली, नृत्य आदि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति से उपस्थित श्रोताओं एवं दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि शाहगंज के विधायक रमेश सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करके किया। अतिथियों का माल्यार्पण, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। छात्र-छात्राओं ने दहेज प्रथा एवं भ्रूण हत्या पर आधारित एकांकी के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों पर लोगों का ध्यान आकृष्ट किया जिसने श्रोताओं को इस समस्या पर सोचने को मजबूर कर दिया। समारोह में पत्रकारों को सम्मानित किया गया। छात्रों ने काव्य सम्मेलन के माध्यम से मोबाइल से उत्पन्न दुष्परिणाम पर प्रकाश डाला।

विधायक रमेश सिंह ने बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति की सराहना की। उन्होंने कहा कि वार्षिकोत्सव समारोह वर्ष भर की संपूर्ण उपलब्धियों का मापदंड है। उन्होंने कहा कि शाहगंज विधानसभा क्षेत्र में यह विद्यालय वट वृक्ष का रूप ले चुका है। इस विद्यालय से हमारा हमेशा से विशेष लगाव रहा है। उन्होंने कहा कि आज के समय में बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और सशक्त हो रही हैं। उन्होंने बताया कि छात्राओं का हर क्षेत्र में प्रतिनिधित्व करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि 2047 में मोदी योगी के नेतृत्व में देश और प्रदेश पूर्ण रूप से विकसित होगा जिससे सरकार की संकल्पना साकार होगी। इस संकल्प को पूरा करने में आज के युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सुइथाकला के बाल संरचना संस्थान इंटर कॉलेज लालापुर में आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह को संबोधित करते मुख्य अतिथि विधायक रमेश सिंह।

सुइथाकला के बाल संरचना संस्थान इंटर कॉलेज में 36वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देती छात्राएं।

विधायक ने विद्यालय से होकर जाने वाले लखनऊ बलिया राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ने वाले सरपतहाँ- पट्टी नरेंद्रपुर संपर्क मार्ग की जल्द से जल्द मरम्मत करवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मार्ग की मरम्मत होने से विद्यालय में अध्यनरत नव निहालों और आम जनता को आवागमन में सुविधा एवं सहूलियत मिलेगी। विशिष्ट अतिथि प्रमोद मिश्रा 'मुन्ना' ने कहा कि बेटियां हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रही हैं। उन्होंने बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ संस्कारित करने पर विशेष बल दिया।

प्रबंधक सुरेश पांडेय ने अतिथियों एवं आगंतुकों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखना हमारा दायित्व है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि बच्चे ही कल के भविष्य हैं इसलिए इन्हें नवाचार एवं आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों की भी शिक्षा दें। बाद में यही बच्चे देश के श्रेष्ठ नागरिक बनकर राष्ट्र के उत्थान में अपना अहम योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रबंधन ने शिक्षा में गुणवत्ता के साथ कभी भी समझौता नहीं किया। प्रतिवर्ष उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम इस विद्यालय की उत्कृष्टता की पहचान है। अध्यक्षता अशोक कुमार पांडेय और संचालन दीपक दीक्षित ने किया।

आभार प्रधानाचार्य संतोष कुमार पांडेय एवं रणविजय सिंह ने व्यक्त किया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त करने वाले मेधावियों को सम्मानित किया गया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत एकांकी ने हल्दीघाटी युद्ध में महाराणा प्रताप के शौर्य गाथा की स्मृति ताजी कर दी।

मौके पर विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. उमेश चंद्र तिवारी, भाजयुमो काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय मंत्री पवन पाल, भाजपा के जिला कार्य समिति के सदस्य हृदय नारायण शुक्ला, शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष डॉ रणंजय सिंह, अजय मिश्रा, पारसनाथ यादव, दूधनाथ सिंह, अभिषेक दीक्षित, मनोज दुबे, रमेश सिंह, प्रमोद सिंह, संजय सिंह, दुष्यंत मिश्रा, डॉ शाहिद खान, घनश्याम उपाध्याय समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

भारतीय सैनिकों ने चीनी सैनिकों को एकतरफा युद्ध विराम के लिये मजबूर किया: कर्नल राज बहादुर

सैन्य इतिहास में रेजांगला की जंग स्वर्णाक्षरों में अंकित है: डा.यदुवंशी

भारत माता के सच्चे सपूत थे रेजांगला जंग के सैनिक: दिनेश फौजी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भूतपूर्व सैनिक कल्याण समिति द्वारा सैनिक कल्याण कार्यालय जौनपुर में 1962 के रेजांगला के शहीदों की याद में शौर्य दिवस समारोह मनाया गया। समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कर्नल राज बहादुर सिंह ने कहा कि रेजांगला की लड़ाई दुनिया की अनूठी लड़ाई थी जहां 13 कुमाऊं की चार्ली कम्पनी जिसे अहीर कंपनी भी कहा जाता था। इसके 120 जवानों ने न सिर्फ चीनी सेना के सैलाब को रोका, बल्कि चीनी सेना को एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा करने के लिए मजबूर कर दिया। वह भी उस स्थिति में जब भारतीय सेना के पास हथियारों की कमी थी जिसे अंग्रेज छोड़ गए थे जबकि चीनी सेना के पास अत्याधुनिक हथियार थे, इसलिए हम आज उस वीर जवानों को नमन करते हैं। इन्होंने अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना बलिदान दे दिया लेकिन दुश्मनों के आगे पीठ नहीं दिखाया।

बतौर विशिष्ट अतिथि प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ ब्रजेश यदुवंशी ने कहा कि रेजांगला की जंग भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस और पराक्रम की ऐसी मिसाल है जो दुनिया के सैन्य इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है। इसी क्रम में भूतपूर्व सैनिक कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश यादव फौजी ने कहा कि रेजांगला युद्ध में 120 जवान शामिल हुए थे जिसमें 114 जवान लड़ाई के दौरान शहीद हो गये थे। इस लड़ाई में सभी जवान भारत माता के सच्चे सपूत थे। जिसने अपनी धरती की रक्षा के लिए अपनी शहादत दी लेकिन पीठ नहीं दिखायी। गोला बारूद खत्म होने के बाद भी बहादुरी से भारतीय सैनिकों ने यह लड़ाई लड़ी थी।

अन्य वक्ताओं ने कहा कि रेजांगना की लड़ाई के बारे में हम इतिहास के पन्नों में पढ़ते हैं जिसमें लड़ाई लड़ते-लड़ते भारतीय सेना के पास गोला बारूद भी समाप्त हो गए थे लेकिन रेजांगला के वीरों ने अपने कुशल युद्ध नीति से चीनी सैनिकों को अपने जाल में फंसाया और छुरी चाकू व ईंट पत्थर से मार-मार कर परास्त कर दिया। वहीं शहीद जिलाजीत यादव की पत्नी वीर वधू पूनम यादव, लक्ष्मी यादव, ओम प्रकाश राजभर, कर्नल राज बहादुर सिंह, प्रख्यात साहित्यकार डॉ. ब्रजेश यदुवंशी, असलम को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पूर्व सैनिक रामधारी पाल, ओम प्रकाश राजभर, उमाशंकर यादव, आशीष यादव, विजय बहादुर यादव, शिवशंकर यादव, कृष्ण प्रसाद, बृजेश यादव, कमलेश यादव, मुन्ना लाल, त्रिभुवन यादव, श्यामा चरण यादव सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर जाति-धर्म पर टिप्पणी करने पर होगी कार्रवाई

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार विधानसभा चुनाव संपन होने के बाद सोशल प्लेटफॉर्म पर जाति एवं धर्म को लेकर तेजी से की जा रही टिप्पणियों ने स्थानीय स्तर पर तनाव का माहौल पैदा कर रहा है। भड़काऊ पोस्ट, पर टिप्पणी और वीडियो साझा किए जा रहे हैं, इस वर्चुअल बहस का असर जमीनी स्तर पर दिखने लगा है, जहां कुछ - जगहों पर लोग विवाद में भी पड़ रहे हैं। साइबर थाना व स्थानीय पुलिस ने सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। साइबर टीम सूत्रों का माने तो साइबर टीम चौबीसों घंटे प्लेटफॉर्म की मॉनिटरिंग कर रही है, ताकि किसी भी आपत्तिजनक या भड़काऊ पोस्ट को चिन्हित किया जा रहा है। सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले, जाति-धर्म आधारित टिप्पणी करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई के लिए प्रशासन सख्त है। ऐसे मामलों में आईटी एक्ट के तहत त्वरित प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी तक की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। प्रशासन ने कहा है कि किसी को भी ऐसी पोस्ट दिखा रहा, तो तुरंत स्क्रीनशॉट या लिंक के साथ साइबर थाना को सूचित करने को कहा है। साइबर थाना के एसआई श्रीकांत ने बताया कि चुनाव के बाद सोशल मीडिया पर नजदीकी निगरानी रखी जा रही है।

रोहियांव के पं रामलखन मिश्रा के आवास पर अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन 20 को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर, विकास खंड सुजानगंज, पोस्ट मधुपुर, ग्राम रोहियांव निवासी पंडित रामलखन मिश्रा के आवास पर अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन दिनांक 20 नवंबर 2025 दिन गुरुवार से शुरू किया जायेगा है। 21 नवंबर 2025 दिन शुक्रवार को हवन और भंडारे साथ संपन्न होगा। यह आयोजन पौत्र के तिलकोत्सव के उपलक्ष्य में किया गया। जिसमें कुल गुरु उपस्थित रहेंगे। बता दें दैनिक उत्तर शक्ति के पत्रकार पंडित संजय मिश्रा महाराज के सुपुत्र धनंजय मिश्रा का तिलकोत्सव के उपलक्ष में अखंड रामचरितमानस पाठ रखा गया है। अखंड मानस पाठ के समापन पर प्रीतिभोज का आयोजन किया गया है उस शुभ अवसर पर दैनिक उत्तर शक्ति के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा उपस्थित रहेंगे। परिवार के बड़े भ्राता जौनपुर स्थित महैर देवी मंदिर के हनुमान जी के प्रमुख पूजारी पंडित रामचंद्र दास, हरिश्चंद्र मिश्रा, कृष्ण चंद्र मिश्रा अधिवक्ता सुधांशु मिश्रा, राजकुमार, बब्लू मिश्रा, शिक्षक प्रेम शंकर मिश्रा, सचीन मिश्रा, आदित्य मिश्रा, विजय शंकर, विजय चंद मिश्रा, समाजसेवी प्रिंश मिश्रा, आशू मिश्रा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगें।

शिक्षा ही सर्वांगीण विकास की जननी: दिनेश बिंद

भदोही (उत्तरशक्ति)। नवयुग निर्माण बालिका पूर्व माध्यमिक विद्यालय, ग्रामसभा फत्तूपुर अभोली, भदोही (उ.प्र.) में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुंबई से पधारे बीएसवीएस संघ के युवासेना अध्यक्ष दिनेश कुमार बिंद ने शिरकत की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही देश, समाज और व्यक्ति का भविष्य एवं सर्वांगीण विकास संभव है। बिंद समाज विकास संघ एवं ग्रामवासियों के संयुक्त तत्वावधान में युग निर्माण सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 2025 एवं 2016 का आयोजन 26 अक्टूबर (रविवार) को किया गया था, जिसमें कक्षा 1 से 12 तक के लगभग 1000 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं को साइकिल, स्कूल बैग, घड़ी सहित अनेक पुरस्कार दिया गया। 16 नवंबर को सभी कक्षाओं से चयनित पाँच-पाँच उत्कृष्ट छात्रों को पुरस्कृत किया गया। प्रथम पुरस्कार साइकिल के साथ अन्य पुरस्कार में स्कूल बैग, घड़ी, प्रमाणपत्र तथा शिक्षा से जुड़ी आकर्षक सामग्री शामिल रही। बिंद समाज विकास संघ ने विशेष रूप से 30 छात्र-छात्राओं को सम्मान प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण एवं स्थानीय स्नेहीजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। रमाशंकर बिंद (प्रधानाध्यापक), राहुल बिंद (संरक्षक), विपिन बिंद, विष्णु प्रताप, बंशीधर बिंद (प्रबंधक), मनोज कुमार दरोगा, विनोद कुमार बिंद, सुषमा बिंद, रेखा बिंद, सविता बिंद, सुमन बिंद, संजू यादव, अभोली ब्लॉक प्रमुख प्रियंका बिंद, भदोही जिला अध्यक्ष रमाशंकर बिंद, सूरत महानगर महिला अध्यक्ष बिंदु बिंद, युवासेना अध्यक्ष दिनेश कुमार बिंद, डॉ. हरिश्चंद्र बिंद, सूरत जिला सचिव चंद्रशेखर बिंद, डॉ. सुशील बिंद, दारा प्रसाद बिंद, राकेश बिंद आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे। सभी समाजसेवियों ने अपने हाथों से बच्चों को पुरस्कार वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

छात्राओं को मिल रहा तकनीकी सशक्तिकरण का प्रशिक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर परिसर में उत्तर प्रदेश सरकार व राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के निर्देशानुसार तथा मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत कंप्यूटर एप्लिकेशन शॉर्ट टर्म कोर्सेस का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। नोडल अधिकारी डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने बताया कि छात्राओं को तकनीकी ज्ञान से सशक्त करना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य छात्राओं को रोजगारपरक ज्ञान देना है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। कार्यक्रम की संयोजक एवं ट्रेनर डॉ. सोनम झा ने बताया कि 30 छात्राओं का एक बैच तैयार किया गया है, जिसमें थ्योरी के साथ-साथ प्रैक्टिकल प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। पाठ्यक्रम में कंप्यूटर की बेसिक जानकारी के साथ नई तकनीकों का भी समावेश किया गया है। सह-समन्वयक प्रियंका जायसवाल ने बताया कि सभी छात्राएं अत्यंत उत्साह और रुचि के साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं और इस पाठ्यक्रम से उन्हें उपयोगी तकनीकी ज्ञान मिल रहा है, जो उनके भावी करियर में सहायक सिद्ध होगा।

स्वास्थ्य की रक्षा से लेकर प्रगति को रोकने तक: कैसे WHO की तंबाकू संधि दिशाहीन हो गई

मुंबई। जैसे-जैसे सरकारें विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के FCTC के COP11 की तैयारी कर रही हैं, टैक्सपेयर्स प्रोटेक्शन अलायंस (टीपीए) द्वारा अपनी गुड COP 2.0 पहल के तहत हाल ही में आयोजित एक वेबिनार ने संधि की दिशा पर बहस को फिर से छेड़ दिया है। भारत और दुनिया भर में तंबाकू से होने वाले नुकसान में कमी को लेकर बढ़ती चर्चाओं के बीच, एफसीटीसी के मूल निमार्ताओं में से एक डॉ. डेरेक याच और टीपीए के अंतर्राष्ट्रीय फेलो एवं नुकसान में कमी के समर्थक मार्टिन कलिप ने आधुनिक विज्ञान और नवाचार की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने के लिए एफसीटीसी में तत्काल सुधार का आह्वान किया। कार्यक्रम में संधि के 20 वर्षीय इतिहास और इसकी मौजूदा दिशा पर विस्तृत चर्चा हुई। दोनों वक्ताओं ने चिंता जताई कि–एक समय वैश्विक धूम्रपान दर को कम करने के लिए क्रांतिकारी मानी गई यह संधि अब विज्ञान और तकनीकी प्रगति के साथ कदमताल नहीं कर पा रही है, जबकि ये प्रगतियाँ लाखों लोगों की जान बचा सकती थीं। एफसीटीसी के प्रारंभिक चरणों से जुड़े डॉ. डेरेक याच ने वैश्विक स्वास्थ्य नवाचार के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा, एफसीटीसी उस दौर में विकसित की गई थी जब डब्लूटीओ की दोहा राउंड में एचआईवी/एड्स दवाओं जैसे नवाचारों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई थी। इन नवाचारों ने लाखों लोगों की जान बचाई। इसके विपरीत, एफसीटीसी यह अनुमान लगाने में विफल रहा कि नवाचार और विज्ञान धूम्रपान समाप्त करने की हमारी क्षमता को मूल रूप से बदल देंगे। संधि का मूल पाठ आज भी उसी दौर में अटका हुआ है, और सदस्य देशों को यह समझने में कठिनाई हो रही है कि उद्योग द्वारा विकसित नए उत्पाद धूम्रपान को समाप्त करने और लाखों जीवन बचाने में सक्षम हैं। मार्टिन कुलिप ने कहा कि यह संधि, जिसका मूल उद्देश्य दुनिया भर में एक अरब से अधिक लोगों पर धूम्रपान के विनाशकारी प्रभाव को कम करना था, अब ऐसी नीतियों के तहत संचालित हो रही है जो नवाचार की अनदेखी करती हैं। उन्होंने कहा, डब्ल्यूएचओ की फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन टोबैको कंट्रोल (एफसीटीसी) अपने मूल उद्देश्य से भटक गई है।

कम से कम 5 इमारतों का जल्द ही आ रहा है मिनी क्लस्टर'

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महानगरपालिका द्वारा स्वीकृत क्लस्टर योजना के अंतर्गत खतरनाक इमारतों के पुनर्विकास की प्रक्रिया गति पकड़ रही है और कम से कम 5 इमारतों के समूह या एक निश्चित वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले स्थल को मिनी क्लस्टर के रूप में मान्यता देकर क्लस्टर के सभी लाभ प्रदान करने हेतु नीति तैयार की जा रही है। इस संबंध में नगर विकास विभाग को संशोधित प्रस्ताव तुरंत उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को अनुमोदन हेतु भेजने के निर्देश दिए गए हैं। यह जानकारी परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने दी। वे इस संबंध में मंत्रालय स्थित अपने कार्यालय में बुलाई गई एक बैठक में बोल रहे थे। बैठक में नगर विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव असीम कुमार गुप्ता, मीरा भायंदर महानगरपालिका आयुक्त राधा विनोद शर्मा, नगर विकास विभाग के

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के अनुगमन से यश क्लस्टर योजना के तहत खतरनाक इमारतों के पुनर्विकास में तेजी

उपसचिव निर्मल कुमार चौधरी, कक्ष अधिकारी विनोद मोरे, नगर नियोजन विभाग मीरा-भायंदर के सहायक निदेशक पुरुषोत्तम शिंदे, पूर्व नगरसेवक राजेश वेटोस्कर, शिवकुमार शर्मा, प्रेम सिंह राजपूत, गौरांग राठौड़, नितिन मिस्त्री, जितेंद्र शाह आदि नागरिक और आर्किटेक्ट उपस्थित थे। मंत्री सरनाईक ने कहा कि मीरा भायंदर महानगरपालिका क्षेत्र में कम से कम 5 इमारतों के समूह या एक निश्चित वर्ग मीटर क्षेत्र के लिए एकीकृत विकास, नियंत्रण और संवर्धन नियम (यूडीसीपीआर) के अनुसार क्लस्टर योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा। नगर विकास विभाग द्वारा संशोधित प्रस्ताव तुरंत तैयार कर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को अनुमोदन के लिए भेजा जाए, ऐसा कहा गया है। इस बीच, 30 साल या उससे ज्यादा समय तक चलने वाली असुरक्षित, घनी आबादी वाली इमारतों को कम से कम पाँच इमारतों में समूहित करके मिनी क्लस्टर नीतियां बनाई जा रही हैं। वर्तमान में, यहां के निवासियों को स्थानांतरण की आवश्यकता है। कई जगहों पर अस्थायी आवास क्षेत्रों की कमी ने इन नागरिकों की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। हाला कि क्लस्टर मॉडल का विस्तार करके इन समस्याओं का चरणबद्ध तरीके से समाधान किया जा रहा है।

ठाणे महानगरपालिका की तर्ज पर ग्राम पंचायत काल की 30 वर्ष से अधिक पुरानी इमारतों का पुनर्विकास करने का निर्णय लिया गया है। ऐसी इमारतों को यूडीसीपीआर के प्रावधानों के अनुसार मूल्यांकन पर्चों पर निर्माण क्षेत्र की गणना करके 6 जी तालिका से ऊपर प्रोत्साहन कालीन क्षेत्र दिया जाएगा। मंत्री सरनाईक ने कहा कि इन दोनों निर्णयों से आने वाले दिनों में खतरनाक और पुरानी इमारतों के पुनर्विकास में तेजी आएगी और झुग्गी-झोपड़ी मुक्त, सुरक्षित और टिकाऊ शहर की ओर बढ़ने में मदद मिलेगी।

कॉम्रेड गुलाबराव गणाचार्य का 52 वां स्मृति दिन 20 को

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दिवंगत कामरेड गुलाब राव गणाचार्य स्वातंत्र्य सैनिक, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी पक्ष के नेता, गोवा मुक्ति व संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन के सहयोगी, गिरणी कामगार के झुंझार नेता थे। मुंबई महानगरपालिका के नगर सेवक और विरोधी पक्ष के नेता व लोकप्रिय आमदार दिवंगत कॉम्रेड गुलाब राव भाऊ राव गणाचार्य का 52 वां स्मृति दिन गुरुवार 20 नवंबर 2025 को चिंचपोकली पश्चिम में स्थित कॉम्रेड गुलाबराव गणाचार्य चौक अर्थक रोड नाका मुंबई में सुबह 10:00 बजे मनाया जाएगा विविध पक्ष के कार्यकर्ता श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए उपस्थित रहेंगे। कामरेड गुलाबराव गणाचार्य मेमोरियल संस्था के अध्यक्ष व व्यवस्थापक अनिल गणाचार्य ने लोगों से अनुरोध किया है कि ठीक समय पर पधार कर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

बिरसा मुंडा की जयंती पर डीआरवीए चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा अनूपपुर में आरोग्य महा उत्सव का आयोजन

मुंबई। अंग्रेजों के जुल्म के खिलाफ संघर्ष शुरू करने वाले जननायक बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को पूरा भारत जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाता है। इस उपलक्ष्य में डीआरवीए चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा ग्राम पंचायत किसरी, जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़, जिला अनूपपुर (मध्य प्रदेश) में आरोग्य महा उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में दिलीप जयसवाल मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री, श्रीमती हिमाद्री सिंह (एमपी शहडोल) के अलावा जिला परिषद की सीइओ अर्चना कुमारी, डीआरवीए चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र कुमार और अनुपूर की सीएमएचओ अल्का तिवारी जैसी हस्तियां उपस्थित रहीं। 900 से ज्यादा डॉक्टर और 1800 पैरा मेडिकल स्टाफ ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई और 19 हजार से अधिक लोगों की सीकल सेल की जांच की गई और उन्हें दवाएं दी गई। टीबी पेशेंट्स की जांच करके उन्हें न्यूट्रीशन किट दी गई और दवाएं दी गई। लोगों की आँखों की जांच कर-के उन्हें चश्मे दिए गए। आदिवासी दिव्यांग लोगों को व्हीलचेयर और स्टिक दिए गए। डीआरवीए चैरिटेबल ट्रस्ट पिछले 15 वर्षों से कार्यरत है। महान स्वतंत्रता सेनानी, जननायक और आदिवासी गौरव भगवान बिरसा मुंडा के सम्मान में, लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए इस आरोग्य महा उत्सव का आयोजन हुआ। श्रीमती हिमाद्री सिंह (एमपी शहडोल) के क्षेत्र मे और उन्हीं के मार्गदर्शन में ये सफल रहा। इस अवसर पर टीबी जाँच और पोषण किट का वितरण किया गया। स्क्रीनिंग और सामान्य स्वास्थ्य जांच, संपूर्ण रक्त जाँच, एक्स-रे और सोनोग्राफी सुविधाएँ, निःशुल्क दवा वितरण, नेत्र जाँच और निःशुल्क चश्मे, लाभार्थियों के लिए व्हीलचेयर वितरण किया गया। डॉ. धर्मेंद्र कुमार, अध्यक्ष - डीआरवीए चैरिटेबल ट्रस्ट की इस सार्थक पहल की हर ओर प्रशंसा हो रही है। डॉ. धर्मेंद्र कुमार का कहना है कि हम सब मिलकर एक स्वस्थ, सशक्त और प्रगतिशील समाज की दिशा में काम करते रहेंगे।

थिंक गैस ने शेल एनर्जी इंडिया के साथ दीर्घकालीन गैस बिक्री-खरीद समझौते की घोषणा की

बेगूसराय(उत्तरशक्ति)। थिंक गैस ने शेल एनर्जी इंडिया के साथ एक दीर्घकालीन गैस बिक्री एवं खरीद समझौते की घोषणा की है। यह भारत के प्राकृतिक गैस के क्षेत्र में एक बड़ा कीर्तिमान है। समझौते के मुताबिक, थिंक गैस हजीरा एलएनजी टर्मिनल के जरिए शेल एनर्जी इंडिया के पोर्टफोलियो से प्राकृतिक गैस की आपूर्ति हासिल करेगी। यह समझौता भारत के अग्रणी सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों में से एक के तौर पर थिंक गैस की स्थिति और मजबूत करता है और सभी परिचालन क्षेत्रों और ग्राहक खंडों में विश्वसनीय एवं स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति की इसकी प्रतिबद्धता दशार्ता है। इस घटनाक्रम पर बोलते हुए थिंक गैस के प्रबंध निदेशक और सीईओ अभिलाष गुप्ता ने कहा, हमें पारस्परिक विश्वास और सहयोग के आधार पर शेल के साथ हमारी मौजूदा साझीदारी को विस्तार देते हुए प्रसन्नता है। इस दीर्घकालीन समझौते का क्रियान्वयन एक जटिल वैश्विक वातावरण में हमारे गैस पोर्टफोलियो के विविधीकरण की हमारी रणनीति और हमारे ग्राहकों को विश्वसनीय, लचीले, किफायती और टिकाऊ समाधान की पेशकश पर आधारित है। शेल एनर्जी इंडिया की ओर से गैस आपूर्ति से परिवारों, वाहनों और उद्योगों को स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति के साथ हमारे ग्राहकों की बढ़ रही मांग पूरी करने में मदद मिलेगी। यह समझौता हमारी कंपनी की अनुमानित ऊर्जा जरूरतों का एक हिस्सा पूरा करेगा और हम हमारे ग्राहकों की बढ़ती ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए इसी तरह की अन्य साझेदारियों का आकलन कर रहे हैं।

वी, विदेश यात्रा के अनुभव को चिंतामुक्त बनाने के लिए टेलीकॉम जगत में पहली बार लेकर आए फैमिली आईआर

मुंबई। भारत में विदेश यात्रा में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हो रही है। पर्यटन मंत्रालय द्वारा जारी भारतीय पर्यटन डेटा संग्रह 2025 के मुताबिक विदेश जाने वाले भारतीयों की संख्या में 10.79 फीसदी सालाना की बढ़ोतरी हुई है, 2024 में 30.89 मिलियन भारतीयों ने विदेश यात्रा की। रूझानों से यह भी साफ है कि भारतीय लोग अपने परिवार के साथ मिलकर विदेश यात्रा करना पसंद करते हैं। हाल ही में उद्योग जगत में जारी एक और रिपोर्ट के अनुसार 59 फीसदी भारतीय अपने जीवनसाथी या पार्टनर के साथ यात्रा करते हैं तथा 26 फीसदी भारतीय अपने परिवार के सदस्यों के साथ यात्रा करते हैं। आज के दौर में परिवार के साथ यात्रा करने वाले

भारतीयों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जाने-माने टेलीकॉम ऑपरेटर वी फैमिली यूजर्स के लिए लेकर आए हैं टेलीकॉम जगत का पहला फैमिली आईआर प्रपोजिशन, जिसके तहत पेश किए गए आईआर पैक्स को यात्रा के इस सीजन इंटरनेशनल रोमिंग को किफायती बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। वर्तमान में वी एकमात्र ऑपरेटर है जो इंटरनेशनल रोमिंग पर ट्रूली अनलिमिटेड डेटा और कॉलिंग के फायदे देता है, तो परिवार विदेश यात्रा के दौरान भी सहज कनेक्टिविटी का आनंद उठा सकते हैं।

वी भारत में पोस्टपेड एवं फैमिली पोस्टपेड उपभोक्ताओं के सबसे बड़े आधार को अपनी सेवाएं प्रदान करता है। परिवार विदेश यात्रा के दौरान भी सहजता से कनेक्टेड बने रहें तथा ज्यादा बचत कर सकें, इसके लिए वी ने लॉन्च किया है टेलीकॉम जगत का पहला फैमिली आईआर प्रपोजिशन, जिसके तहत सैकण्डरी मेंबर्स भी आईआर पैक्स पर एक्सक्लुजिव डिस्काउन्ट के फायदे पा सकते हैं।

वसई के विकास के लिए स्नेहा दुबे तत्पर

वसई रोड। वसई-विरार क्षेत्र के समग्र विकास को गति देने और जनसुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने आज कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इन कार्यों के पूर्ण होने से नागरिकों को सुरक्षित, टिकाऊ एवं सुगम परिवहन सुविधा प्राप्त होगी।

किए गए कर्यों में कमान नाका से म्हात्रे नगर तक सड़क का डामरीकरण, गरीब नवाज होटल से गोराट पाड़ा पवार गली तक सड़क का डामरीकरण, नायगांव बापने रोड पर पाँच स्थानों पर पुलिया निर्माण, जो वार्ड समिति जी, वार्ड क्रमांक 105, नायगांव पूर्व से जुहू चंद्रा तक कनेक्टिविटी बढ़ाएगा आदि शामिल है। इन विकास कार्यों से स्थानीय नागरिकों को न केवल बेहतर सड़क सुविधा मिलेगी, बल्कि क्षेत्र में

यातायात व्यवस्था भी सुदृढ़ होगी। इस अवसर पर विशेष सहयोग एवं उपस्थिति लोगों में विवेक चौधरी (कनिष्ठ अभियंता), अनिकेत मोहिते (नगर निगम कनिष्ठ अभियंता), केदारनाथ म्हात्रे (वसई पूर्व दक्षिण मंडल अध्यक्ष), उदय शेट्टी, धरेंद्र कुलकर्णी, विवेक भोसकर, किरण पवार, श्रीमती हर्षला गावड़े, रंजीत किनी, धर्मेंद्र मिश्रा, प्रकाश धावलेकर, सुनील चानियाल, संदीप पाटिल, महेश शुक्ला तथा चंद्रकांत पाटिल सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों व कार्यकताओं की उपस्थिति रही। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि वसई-विरार की प्रगति में नागरिकों का सहयोग हमेशा प्रेरणादायक रहा है और आने वाले समय में विकास की यह गति और तेज होगी।

विरार पूर्व की चॉलों में एसआरए व क्लस्टर विकास पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

विरार। विरार पूर्व के मनवेल पाड़ा क्षेत्र में स्थित श्री गुरुकृपा चॉल, गणेश चौक, कारगिल नगर तथा आसपास की चॉलों में रहने वाले नागरिकों के लिए सोमवार को एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। नालासोपारा के विधायक राजन नाईक ने इस कार्यक्रम में उपस्थित रहकर नागरिकों को एसआरए (स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी) एवं क्लस्टर विकास योजना के बारे में विस्तृत मार्गदर्शन दिया। विगत कई वर्षों से वसईझनालासोपाराझविरार क्षेत्र की हजारों परिवार सीमित सुविधाओं वाली चॉलों में रह रहे हैं। रहने की जगह की कमी, असुरक्षित घर, मानसून के दौरान होने वाली दिक्कतें और मूलभूत सुविधाओं की अनुपलब्धता जैसी समस्याएँ लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में एसआरए और क्लस्टर विकास जैसी योजनाओं

के माध्यम से निवासियों को मजबूत, सुरक्षित और वैध घर, बेहतर आधारभूत सुविधाएँ, स्वच्छ परिवेश तथा उन्नत जीवनशैली प्राप्त हो सकती है। इसी उद्देश्य से क्षेत्र के नागरिकों को जागरूक करने एवं उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए यह पहल की गई। कार्यक्रम में विधायक राजन नाईक के साथ विरार पूर्व दक्षिण मंडल अध्यक्ष मनीष वैद्य, संजोग येडे, मनोहर गवगन सहित कई स्थानीय पदाधिकारी और बड़ी संख्या में निवासी उपस्थित रहे। यह जागरूकता अभियान क्षेत्र की चॉलों में रहने वाले नागरिकों के लिए भविष्य में बड़े बदलाव का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

विशेष कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र शासन एवं पत्रकार आदेश मिश्र का

सुलतानपुर(उत्तरशक्ति)। सुलतानपुर स्थित बरौसा में लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल ह्यरिंकू भइयाह्न एवं जयसिंहपुर ब्लॉक प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ल द्वारा मंगलवार को बरौसा कार्यालय पर विशेष कार्यकारी अधिकारी, महाराष्ट्र शासन एवं पत्रकार आदेश मिश्र का जन्मदिन बड़े ही स्नेहपूर्ण माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर उन्हें पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। जन्मदिन के उपलक्ष्य में सभी सहयोगियों के साथ बिजेथुआ महावीरन (बिजेथुआनाथ धाम) में पहुंचकर श्री हनुमान जी की आरती दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इस मौके पर राकेश श्रीवास्तव, बीडीसी सदस्य संदीप दुबे, संजीत सिंह, आचार्य नीरज मिश्र, भाजपा नेता रितेश दुबे, पत्रकार अमरीश मिश्र, डॉ. नीरज पांडेय, प्रिंस मिश्रा, डॉ. सिंटू श्रीवास्तव, सपा नेता रजनीश यादव, लक्ष्मीकांत शुक्ला, आकाश दुबे, दीपक शुक्ल, दिनेश यादव, महेश यादव, संजय यादव, छोटू यादव, बबलू तिवारी, क्षेत्र पंचायत प्रतिनिधि पंच बहादुर वर्मा, अंजनी यादव सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। मुंबई से लेकर उत्तर प्रदेश तक फैले शुभचिंतकों ने भी व्यक्तिगत रूप से एवं दूरसंचार माध्यमों के जरिये आदेश मिश्र को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। और आदेश मिश्र ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

बागबान संस्था की सिंध की शाम में झलकी सिंधी संस्कृति की चमक

-सुरेश गांधी

वाराणसी। सिंधी समाज की प्रमुख महिला संस्था बागबान द्वारा मंडुवाडीह स्थित बनारस ब्लेस होटल में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम ह्यसिंध की शाम 2025 में सिंधी संस्कृति का रंगारंग प्रदर्शन हुआ। पूरे कार्यक्रम में सिंधी परंपराओं की झलक, लोकनृत्य, गीत, वेशभूषा तथा व्यंजनों की महक ने उपस्थित लोगों को सिंध की सांस्कृतिक धरोहर से रूबरू कराया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत संस्था की अध्यक्ष पूजा लखमानी ने किया। आयोजन की सफलता में सचिव वर्षा बढ़ानी तथा कोषाध्यक्ष अमीषा रुपानी की महत्वपूर्ण भूमिका

रही। सांस्कृतिक संध्या के लिए पूरे परिसर को सिंधी कला के अनुरूप सजाया गया था–रंगीन दुपट्टों, पारंपरिक कढ़ाईदार सजावट और लोक-प्रतीकों ने माहौल को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम की शुरूआत सिंधी गीतों पर प्रस्तुत नृत्यों से हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने पारंपरिक व आधुनिक दोनों शैलियों का सुंदर संयोजन दिखाया। इसके बाद सिंधी पारंपरिक परिधानों की विविधता को दशार्ता फैशन शो हुआ, जिसने दर्शकों से खूब तालियां बटोरीं। सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देने वालों में मधु विशनानी, निधि लालवानी, कीर्ति बिजलानी, पायल राजवानी, नीलम वासवानी, रेशमा वाधवानी, दिशा पेशवानी, काव्या चंदानी, अंजली लखमानी, लविश लखमानी, कीर्ति कुकरेजा, भाविका, गीतू कुंदनानी, हर्षा पुरुस्वानी, सिमरन लखमानी और भव्या तलरेजा शामिल रहीं। सभी प्रतिभागियों ने मंच पर सिंधी संस्कृति के रंगों को जीवंत कर दिया।

कार्यक्रम में सिंधी व्यंजनों का भी विशेष प्रदर्शन किया गया, जिसमें परोसे गए पारंपरिक पकवानों ने सभी का ध्यान खींचा। साई भाजी, कोकी, मिठा लोलो सहित कई व्यंजनों ने मेहमानों को सिंधी स्वाद का एहसास कराया।

कार्यक्रम में शामिल निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की प्रस्तुति और संस्था के सांस्कृतिक संरक्षण के प्रयासों की सराहना की। निर्णायकों का कहना था कि ऐसे आयोजन समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने में अहम भूमिका निभाते हैं।

जानलेवा चाइनीज मांझे से युवक घायल

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रशासन लाख दावा करे लेकिन चाइनीज मांझे का पतंगबाजी में धड़ल्ले से प्रयोग किया जा रहा है, यह अलग बात है कि लोग आएदिन घायल हो रहे हैं लेकिन उस से पतंगबाजों से क्या मतलब? मंगलवार को अपरान्ह करीब एक बजे एक बाइक सवार युवक मांझे से गंभीर रूप से घायल हो गया। नगर के मोहल्ला मेहदीतला निवासी अब्दुल्कलाम अंसारी का 22 वर्षीय पुत्र मुहम्मद अरसल अंसारी बाइक से कोतवाली चौराहे से सराय बीरू चौराहे जा रहा था कि प्रमोद होटल के पास अचानक चाइनीज मांझे की चपेट में आ गया। जिस से उस की नाक और बाईं आंख के ऊपर कट गया। अरसल को फौरन पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने टांके लगा कर मरहम पट्टी करने के बाद छोड़ दिया। चाइनीज मांझे के प्रचलन को लेकर लोग दहशत में हैं।